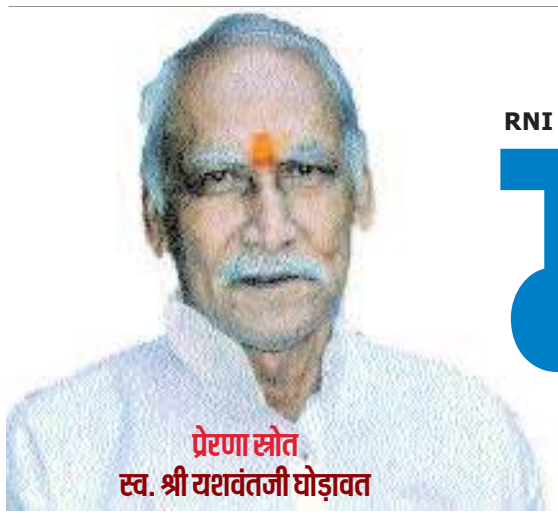

प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

हम किसी पर आक्रमण करने नहीं चले हैं, पर इस बात के लिए हमें सदैव सतर्क तथा सचेत रहना होगा कि हम पर कोई आक्रमण न करे...
--डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार

वर्ष-04, अंक -27 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 7 अप्रैल 2022 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

इमरान के पोल्ट्री फार्म से मिला पदार्थ कहीं विस्फोटक आरडीएक्स तो नहीं... ? जब्ती के लिए मौजूद थे राजपत्रित अधिकारी

नई दिल्ली।

राजस्थान एटीएस द्वारा आतंकी इमरान के जुलवानिया स्थित पोल्ट्री फार्म से बरामद संदिग्ध पदार्थ कहीं विस्फोटक आरडीएक्स ही तो नहीं था...? एटीएस द्वारा की गई जब्ती की कार्यवाही के तौर तरीके तो कम से कम यही संकेत दे रहे है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक राजस्थान एटीएस के अधिकारियों ने जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से सम्पर्क किया था। एटीएस ने वरिष्ठ अधिकारियों से जब्ती की कार्यवाही में गवाह बनाने के लिए दो राजपत्रित अधिकारियों की मांग की थी। जिला प्रशासन ने एटीएस की मांग पर दो राजपत्रित अधिकारियों को जब्ती की कार्यवाही में गवाह बनने के लिए तैनात भी कर दिया था। यही तथ्य इस बात का सबसे पुख्ता संकेत है कि, एटीएस

को इमरान के जुलवानिया स्थित पोल्ट्री फार्म से अत्यन्त महत्वपूर्ण वस्तु की बरामदगी की उम्मीद थी। रतलाम के आतंकियों का रिमाण्ड मिलने के बाद एटीएस द्वारा की गई कडी पूछताछ के दौरान इन आंतकियों ने पोल्ट्री फार्म पर अत्यन्त महत्वपूर्ण वस्तु के छुपे होने की जानकारी दी होगी जिसके बाद एटीएस ने छापेमारी की । पोल्ट्रीफार्म से बरामद हुए पदार्थ के विस्फोटक होने की आशंका इसलिए भी ज्यादा है क्योकि प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पोल्ट्री फार्म की खुदाई करके जो पदार्थ निकाला गया उन्हे चार बोरों में भरा गया था। इस पदार्थ को भरने के पहले इसका तौल भी करवाया गया था और इसकी जांच के लिए एफएसएल के वैज्ञानिकों को भी बुलाए जाने की जानकारी सामने आई है।

असजद और उसके साथियों की तलाश जारी

दिन भर रतलाम में तलाशी चलाती रही राजस्थान एटीएस के अधिकारियों ने अधिकारिक तौर पर कोई बयान जारी नहीं किया है न ही स्थानीय स्तर पर पुलिस अधिकारी भी कोई जानकारी दे रहे है। सूत्रों के मुताबिक एटीएस असजद और उसके चार-पांच साथियों की तलाश में है। इसी तलाश के चलते एटीएस ने शहर मे कई स्थानों पर छापामारी की।

रतलाम एसपी अभिषेक तिवारी ने कहा कि, अभी संवेदनशील मामले की जांच जारी है। राजस्थान और मध्यप्रदेश की एटीएस जांच में जुटी है। देशद्रोही गतिविधियों में लिप्त कुछ अन्य संदिग्ध की तलाश जारी है, जिन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

हमें राजनीति नहीं आती स्कूल खोलना आता है- केजरीवाल

हिमाचल प्रदेश।

पंजाब में बड़ी जीत हासिल करने के बाद आम आदमी पार्टी ने अब हिमाचल प्रदेश में एंट्री के इरादे जाहिर कर दिए हैं। राज्य के मंडी जिले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रोड शो किया। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने पहाड़ी राज्य के लोगों से एक मौका देने की अपील की। उन्होंने कहा कि, आपने 30 वर्ष कांग्रेस को दिए हैं, जबकि 17 वर्ष भाजपा को भी मौका देकर देख लिया। अब आम आदमी पार्टी को 5 वर्ष के लिए मौका दे दीजिए, हम दिखा देंगे कि वास्तव में विकास क्या होता है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, हम नहीं जानते कि राजनीति कैसे की जाती है। लेकिन हम यह जानते हैं कि कैसे स्कूल खोले जाते

हैं और भ्रष्टाचार समाप्त किया जाता है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि, हमने दिल्ली में विकास किया है और पंजाब को भी उसी रास्ते पर आगे ले जा रहे हैं। खुली जीप में रोड शो के दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा, आपने 30 वर्ष कांग्रेस को दिए और 17 वर्ष भाजपा को दिए हैं। इन सभी लोगों ने हिमाचल को लूटने का ही काम किया है। हमें सिर्फ5 वर्ष दे दो। यदि आप संतुष्ट न हों तो फिर हमें हटा सकते हैं। भाजपा और कांग्रेस को परिवारवादी पार्टी बताते अरविंद केजरीवाल ने कहा कि, आप आम आदमी की पार्टी है जिसका एकमात्र मकसद विकास करना है।

68 सीटों पर उतारेंगे कैंडिडेट

इस दौरान भगवंत मान ने अपने ही अंदाज में पूछा, क्या हाल है मंडी वालों...? मैंने कई बार यहां शिवरात्रि के उत्सव में परफॉर्म किया है। भारत माता की जय, इंकलाब जिंदाबाद और जो बोले से निहाल के नारों के बीच भगवंत मान ने कहा कि, इस शानदार स्वागत के लिए मैं आपका स्वागत करता हूं। गौरतलब है कि, आम आदमी पार्टी ने राज्य की सभी 68 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया है। बीते दिनों प्रदेश प्रभारी सत्येंद्र जैन ने कहा था कि, हम सभी सीटों पर कैंडिडेट उतारेंगे। आम आदमी पार्टी को पंजाब से सटे जिलों में बड़ी सफलता की उम्मीद है।

तिलक लगाकर स्कूल पहुंची छात्रा, शिक्षक ने पिट दिया

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के एक स्कूल में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। नवरात्रि के मौके पर तिलक लगाकर स्कूल पहुंचने पर शिक्षक ने छात्रा की बेरहमी से पिटाई कर दी। छात्रा के सिर, माथे और शरीर पर चोट के गंभीर निशान हैं। आरोपी शिक्षक को सस्पेंड कर दिया गया है। जम्मू कश्मीर के राजौरी की रहने वाली लड़की के परिवार ने आरोप लगाया है कि, चल रहे नवरात्रि के दौरान माथे पर तिलक लगाकर स्कूल पहुंचने पर उसकी नाबालिग बेटी को शिक्षक निसार अहमद ने बुरी तरह पीटा। आरोपों को संज्ञान में लेते हुए राजौरी के अतिरिक्त उपायुक्त ने शिक्षक को निलंबित कर दिया है। साथ ही घटना की जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। लड़की के पिता ने मीडिया से बातचीत में कहा कि, इस तरह की घटनाएं एक बुरी मिसाल कायम करेंगी क्योंकि आम लोग धर्म के लिए लड़ेंगे जो समाज के लिए बुरा होगा। उन्होंने कहा, मैं कहना चाहूंगा कि अगर धर्म के नाम पर इस तरह की बात जारी रही तो हम सब एक-दूसरे का सिर फोड़ देंगे।

जम्मू-कश्मीर में हिंदुओं पर कम हुआ खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी।

हालिया वर्षों में जम्मू कश्मीर में अल्पसंख्यकों (हिन्दुओं) के खिलाफहिंसा में कमी आई है। पिछले पांच वर्षों में 34 अल्पसंख्यकों की जान गई है। बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्यसभा में जानकारी दी। सरकार के आंकड़े इसलिए भी चौंकाने वाले हैं क्योंकि उन्होंने अपने आंकड़ों में हिन्दुओं को दो कैटेगरी में बांटा एक कश्मीरी पंडित और दूसरा अन्य हिन्दू। इससे उलट पुलिस का कहना है कि, जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा पूर्ववर्ती राज्य की जनसांख्यिकी को बदलने की कोशिश करने की आशंका एक कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े हैं। कश्मीर घाटी के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा हालिया हत्याओं की जांच से संकेत मिलता है कि विभिन्न क्षेत्रों में आशंकाएं हैं कि, 2019 के बाद केंद्र सरकार जनसांख्यिकी को बदलने की कोशिश कर रही है और आतंकवादी संगठन इस डर को हवा दे रहे हैं। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में पिछले पांच वर्षों में आतंकवादी-संबंधी घटनाओं में अल्पसंख्यक समुदायों के 34 लोगों की जान चली गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, पिछले वर्ष अल्पसंख्यक समुदायों के कम से कम 11 लोगों को आतंकवादियों ने निशाना बनाया था। इनमें से 9 हिंदू थे। उनके अनुसार, नौ मारे गए पांच में से पांच को श्रीनगर शहर के केंद्र में निशाना बनाया गया, जिससे सुरक्षा बलों में हड़कंप मच गया। दिलचस्प बात यह है कि, राज्यसभा में गृह मंत्रालय द्वारा पेश किए गए आंकड़ों ने हिंदुओं को दो श्रेणियों में विभाजित किया, कश्मीरी पंडित और अन्य हिंदू। पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों के अनुसार, अनंतनाग, श्रीनगर, कुलगाम और पुलवामा में 14 हिंदू मारे गए हैं। उनमें से चार कश्मीरी पंडित थे।

शरद पंवार से मिले मोदी, राजनीतिक बाजार गरमाया

नई दिल्ली।

संसद भवन परिसर में प्रधानमंत्री मोदी से शरद पवार की मुलाकात के बाद कयासों का बाजार गर्म हो गया है। आज दोनों नेताओं ने लगभग 20 मिनिट तक बातचीत की। एनसीपी चीफसंसद भवन परिसर में प्रधानमंत्री कार्यालय में उनसे मिलने गए थे। मीटिंग के बाद शरद पवार ने कहा, शिवसेना नेता संजय राउत पर ईडी की कार्रवाई के बारे मैंने प्रधानमंत्री से बात की।

अगर केंद्रीय एजेंसी इस तरह के कदम उठाती है तो उन्हें इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। वे सरकार के खिलाफबोलते हैं इसीलिए उनपर कार्रवाई की जा रही है। कुछ ही दिनों में ईडी ने शिवसेना और एनसीपी के कई नेताओं पर कार्रवाई की है। ईडी ने मंगलवार को शिवसेना नेता संजय राउत की पत्नी और एक दोस्त की लगभग 11 करोड़ की संपत्ति कुर्क कर दी। वहीं पत्रकारों ने जब शरद पवार के भतीजे अजीत पवार से इस बारे में बात की तो उन्होंने कहा कि मीटिंग में हुई बातचीत के बारे में उन्हें कुछ नहीं पता है। अजीत पवार ने कहा, देश के प्रधानमंत्री और किसी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अगर आपस में बात करते हैं तो यह विकास के मुद्दों पर हो सकती है। कुछ ऐसे मुद्दे होते हैं जिनके बारे में संसद के सत्र के दौरान ही बात होती है। बता दें कि शिवसेना और एनसीपी नेताओं का आरोप है कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का इस्तेमाल उनके खिलाफकर रही है।

महात्मा गांधी पर विवादित टिप्पणी करने वाले कालीचरण जेल से हुए रिहा

इंदौर।

कुछ महीने पहले महात्मा गांधी पर विवादित टिप्पणी करने वाला कालीचरण महाराज रायपुर जेल से रिहा हो गए। वह जब इंदौर पहुंचे तो उसके कुछ समर्थक यहां भी पहुंच गए और उन्होंने उसका स्वागत किया। कालीचरण महाराज ने कहा कि, महात्मा गांधी को लेकर उसने जो शब्द कहे थे, उन पर उसे कोई पछतावा नहीं है।

दरअसल, रायपुर जेल से छूटने के बाद कालीचरण महाराज फ्लाइट से इंदौर पहुंचे। एयरपोर्ट पर महाराज के समर्थकों समेत हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने उसका स्वागत किया। इंदौर आने के बाद कालीचरण महाराज ने कहा कि, मैं काली माता का भक्त हूं। काली माता का ही कार्यकर्ता रहूंगा।

महात्मा गांधी पर मुझे अपने कहे शब्दों पर कोई पछतावा नहीं है। इस देश में कलियुग में सच बोलना ही सजा है। कालीचरण महाराज विजय नगर स्थित काली मंदिर पहुंचा और पूजा-अर्चना की।

मीडिया से चर्चा में महाराज ने कहा कि, मैं देवी अहिल्या की पावन नगरी इंदौर में पहुंचा हूं। यहां पर लोगों का उत्साह देखकर बड़ा प्रसन्न हूं। हिंदुओं के लिए मैं लगातार काम करता रहा हूं। करता रहूंगा। मां अहिल्या की पावन नगरी 2 तीर्थ स्थलों के बीच में है। मुझे यहां आकर बड़ा सुकून मिल रहा है। जिस तरह से यहां लोग पहुंचे और मेरा स्वागत किया है, इससे मेरा उत्साह और मनोबल बढ़ रहा है।

रायपुर पुलिस ने किया था गिरफ्तार

टिकरापारा इलाके में 25 व 26 दिसंबर 2020 को को दो दिवसीय धर्म संसद आयोजित की गई थी। इसमें कालीचरण महाराज ने महात्मा गांधी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद कालीचरण पर टिकरापारा थाने में केस दर्ज हुआ था। उस समय वह फरार हो गया था। रायपुर पुलिस ने 30 दिसंबर को उसे खजुराहो से गिरफ्तार किया था। कालीचरण महाराज को 1 अप्रैल को जमानत मिली थी। दस्तावेजों के मिलने तक जेल में ही रहना पड़ा। रायपुर के अलावा कालीचरण महाराज के खिलाफ अकोला, पुणे और ठाणे में भी केस दर्ज थे। हिंदू संगठनों ने उसका समर्थन किया था, कांग्रेस ने विरोध जताया था।

अमरनाथ यात्रा के लिए 11 अप्रैल से रजिस्ट्रेशन शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी।

अमरनाथ यात्रा की इच्छा रहने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। कोरोना महामारी के चलते पिछले दो वर्ष से बाधित बाबा बर्फानी की यह यात्रा 30 जून से शुरू होने वाली है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन 11 अप्रैल से शुरू होगी। कोरोना महामारी के कारण अमरनाथ यात्रा पिछले दो वर्ष से बाधित थी। लेकिन अब सरकार के निर्देश पर अमरनाथ यात्रा आगामी 30 जून से शुरू होने जा रही है। श्राइन बोर्ड के अनुसार, 11 अप्रैल से यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाएंगे। बोर्ड का कहना है कि, एक दिन में 20 हजार लोगों का रजिस्ट्रेशन हो सकेगा। यही नहीं बोर्ड द्वारा निर्धारित काउंटरों के जरिए ही बाबा बर्फानी की यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन किया जा सकेगा। गौरतलब है कि, सरकारी निर्देशों के मुताबिक, 75 वर्ष से अधिक उम्र के लोग और 13 वर्ष से छोटे उम्र के बच्चों के लिए अमरनाथ यात्रा की अनुमति नहीं है। यही नहीं डेढ़ माह से अधिक गर्भवती महिला भी अमरनाथ यात्रा नहीं कर सकती है।

सीताराम येचुरी ने भाजपा को हराने का दिया फॉर्मूला

नई दिल्ली।

माकपा के महासचिव सीताराम येचुरी का कहना है कि, आज सभी सेकुलर दलों की प्राथमिकता देश और संविधान को बचाने के साथ लोगों के अधिकारों की रक्षा करना है। इसके लिए भाजपा को सत्ता से हटाना जरूरी है। उनका कहना है कि हमें भाजपा को अलग थलग करके हराना होगा। उसके लिए सभी धर्म निरपेक्ष ताकतों को अपने मतभेद भुलाकर एक मजबूत मोर्चा बनाने की जरूरत है। तभी भाजपा का सफाया संभव है। केरल के कन्नूर में माकपा की शुरू हुई 23 वीं पार्टी कांग्रेस में येचुरी ने कहा कि, इस बैठक में हम उन सभी विकल्पों पर चर्चा करेंगे जिससे भाजपा के खिलाफ एक सशक्त मोर्चा तैयार किया जा सके। इस दिशा में कैसे आगे बढ़ना है इस पर पार्टी कांग्रेस मंथन करेगी। उन्होंने कहा कि, माकपा संयुक्त मोर्चा बनाने की कोशिश करेगी ताकि भाजपा को सत्ता से बाहर रखा जा सके। उन्होंने सभी लोकतांत्रिक ताकतों से अपने मतभेदों को अलग रखने और देश को बचाने के लिए आगे आने का आग्रह किया। माकपा की ये बैठक 10 अप्रैल तक चलेगी। इस दौरान अगले तीन सालों के लिए पार्टी की नीति बनेगी। सबसे अहम 2024 चुनाव के लिए एक रणनीति तैयार करना है।

राजस्थान एटीएस की टीम पहुची रतलाम, निंबाहेड़ा में आरडीएक्स के मामले में गिरफ्तार आरोपियों के ठिकाने पर की छापेमारी

रतलाम स्थित फार्म हाउस और पोल्ट्री फार्म पर की छापेमारी

माही की गूंज, राकेश गेहलोत

रतलाम। पिछले दिनों राजस्थान में पकड़े गए आतंकवादियों के तार रतलाम शहर से जुड़ने के बाद रतलाम प्रशासन लगातार एक्शन में है कई संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी कर संदेहास्पद लोगो को गिरफ्तार किया साथ ही राजस्थान में पकड़े गए आरोपियों के घरों पर बुलडोजर भी चलाया गया। आपको बताते दे कि, अफीम तस्करी की सूचना पर राजस्थान पुलिस की नाकेबंदी में गिरफ्तार रतलाम के आतंकियों के बाद पड़ताल में जुटी राजस्थान और मध्यप्रदेश एटीएस की टीम ने रतलाम में डेरा डाल दिया। मंगलवार को सूफा संगठन से जुड़े 6 आंतकियों को सुरक्षा के बीच रतलाम लाने के साथ उनके घरों पर जांच के लिए पहुंची।

मंगलवार को राजस्थान एटीएस द्वारा गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकियों को पकड़कर जुलवानिया स्थित फार्म और पोल्ट्री हाउस से संदिग्ध वस्तु बरामद की गई है। एटीएस संदिग्ध आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच लेकर फार्म हाउस पहुंची जहां उनकी निशानदेही पर कोई संदिग्ध वस्तु बरामद की गई है। इसकी आधारिक पुष्टि फिलहाल नहीं की गई है।

कड़ी सुरक्षा के साथ पहुची थी एटीएस की टीम

राजस्थान एटीएस के अधिकारी और जवान विशेष वाहनों से संदिग्ध आतंकियों को लेकर जुलवानिया पंहुचे। यहां पकड़े गए आरोपियों से एक का खेत, फार्म हाउस तथा पोल्ट्री फार्म है, जहां तीन दिन पूर्व भी रतलाम पुलिस ने सर्चिंग की थी। कार्रवाई के दौरान रतलाम पुलिस बाहर सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रही, लेकिन अंदर जाने की अनुमति रतलाम पुलिस को भी नहीं दी गई। सीएसपी हेमंत चौहान सहित अमला बाहर सुरक्षा में मुस्तैदा खड़ा रहा, जबकि अंदर एटीएस के अधिकारियों ने संदिग्धों की निशानदेही पर कुछ मिनट तक सर्चिंग की। मिली जानकारी के अनुसार सर्चिंग के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु जिसमें विस्फोटक भी होने की आशंका है। इसके बाद एटीएस द्वारा तौलकांटा मंगवाया गया। काफी देर तक कार्रवाई जारी रही और इस दौरान पूरे क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा रही, इस घटनाक्रम के बाद माना जा रहा है कि, संदिग्ध आतंकवादियों से जुड़े कई और अहम सुराग भी रतलाम से ही बाहर आ सकते हैं। फिलहाल इस घटनाक्रम पर एटीएस या रतलाम पुलिस द्वारा आधिकारिक रूप से जानकारी नहीं दी गई है जो कार्रवाई पूरी होने के बाद सामने आने की उम्मीद जताई जा रही है।

खेल सामग्री सप्लाई भ्रष्टाचार मामले में भाजपा के तीन तिकड़ी के बल पर हुआ भ्रष्टाचार

क्या प्रशासन की और से दर्ज एफआईआर में बीआरसी और जनशिक्षकों को बचाने की कवायद

जिला महामंत्री कृष्णपाल सिंह गंगाखेडी

पेटलावद मण्डल अध्यक्ष संदीप मांडोत

भाजपा जिलाअध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक

मिडील स्कुल में 10 हजार रूपए की खेल सामग्री की जगह दी गई खिलोना सामग्री

प्राथमिक स्कुल में 5 हजार रूपए में दी गई उक्त सामग्री

भाजपा की बदनामी करने वालो पर होगी कार्रवाई या भ्रष्टाचार करने वालो को देगी शरण... ?

माही की गूंज, झाबुआ

जिले में लगभग डेढ़ करोड़ की लागत से प्राथमिक और मिडिल स्कूल में 5 और 10 हजार की खेल सामग्री सप्लाई होना था। जिसमे स्थानीय भाजपा नेताओं की संगलिप्सा के बाद मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया है और इस भ्रष्टाचार की गूंज भोपाल के गलियारों तक पहुच गई। पूरे मामले मे भाजपा की भारी किरकिरी हो रही है, विपक्षी कांग्रेस सहित जयस संगठन, युवा हिन्दू जनजाति संगठन, जनजाति जागरण मंच, भाजपा का समकक्ष कहे जाने वाले अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् सहित भाजपा के नेताओं ने इस मामले खुलकर विरोध दर्ज करवाते हुए लिखित शिकायत और अपने-अपने स्तर से विरोध प्रदर्शन किया। जिससे भाजपा की सरकार पर मामले में कार्रवाई का दबाव बढ़ गया, भोगोरिया पर्व के दौरान जिले के थांदला में मुख्यमंत्री का आगमन इस भ्रष्टाचार पर भारी पड़ा पूरा मामला उनके सामने आने के बाद मामले को दबा रहे प्रशासन को जाच करने पर मजबूर होना पड़ा और जांच में इस भ्रष्टाचार रूपी खेल सामग्री सप्लाई का पूरा भांडा फोड़ हो गया, चुकी मामला फलियां स्तर तक बनी प्राथमिक शाला से जुड़ा था। जिसके कारण जमीन स्तर पर भाजपा की भारी किरकिरी हुई हैं।

खेल सामग्री सप्लाई भ्रष्टाचार मामले में भाजपा के तीन दिग्गज गुनेहगार

भाजपा अपना 42 वा स्थापना दिवस मना रही है, देश के प्रधानमंत्री नरेंद मोदी और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भ्रष्टाचार मिटाने और भ्रष्टाचारियो पर कार्रवाई करने का दावा कर रहे हैं, उसके लिए किसी को भी बख्शने के मूड में नही लेकिन जब मामला खुद भाजपा नेताओ से जुड़ा हो तो सरकार अपने कहे से बदल जाती है। जिले में खेल सामग्री सप्लाई के नाम पर हुए भ्रष्टाचार में स्थानीय भाजपा नेता पूरी तरह से लिप्त हैं ये भी साफहो चुका है। मुख्य रूप से इस खेल के पीछे भाजपा के तीन गुनाहगार मुख्य है जिनके नाम इस मामले में लिए जा रहे हैं और इन्ही के कारण फलिये-फलिये में भाजपा को न केवल बदनामी उठानी पड़ रही है साथ भाजपा से जुड़े संगठनो तक को सड़क पर उतरना पड़ गया है।

गुनेहगार नंबर 1

भाजपा के जिला महामंत्री कृष्णपाल सिंह गंगाखेडा जिनके यहां प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा से ले प्रभारी मंत्री इंदरसिंह परमार तक पिछले दिनों रात्रि विश्राम और भोजन कर चुके हैं, इन पर आरोप है कि सामग्री सप्लाई के लिए अधिकारियो से लेकर शिक्षको पर उनके द्वारा तय की गई फर्म से सामग्री लेने का दबाव बनाया गया है। कई जनशिक्षक इस संबद्ध में दबी जुबान से ये बता भी चुके हैं। लेकिन सरकार में रह कर सरकार से बैर लेने की हिम्मत नही जुटा पाने के चलते खुल कर सामने नही आ रहे हैं। जिला महामंत्री पेटलावद मण्डल के प्रभारी भी जिसके चलते अधिकारियो पर बड़े नेताओं के निकट संबंध और सत्ता का प्रभाव बताकर खेल सामग्री सप्लाई का खेल पर्दे के पीछे से इनके इशारों पर खेला गया।

गुनेहगार नम्बर 2

पूरी तरह से भाजपा के लिए संगठन के दायित्वों में निष्क्रिय पेटलावद मंडल अध्यक्ष संदीप मांडोत जो संगठन के कार्य तो समय पर नही कर पाए, लेकिन जब बात बड़ा पैसा कमाने की आई तो इन्होंने अपना सब कुछ झोंक दिया। बामनिया की जिस फर्म से माल सप्लाई किया जाना था वो बामनिया पंचायत के उपसरपंच की थी, जो मण्डल अध्यक्ष का बेहत करीबी है, चुकी पद पर रह कर खुद की फर्म से सप्लाई करना मुमकिन नही था। मंडल अध्यक्ष ने अपने मित्र को आगे कर इस कार्य को अंजाम देने की योजना बनाई, बताया तो यहां तक जा रहा है कि, खेल सामग्री के व्यवसाय से कोई जुड़ा नही था। इसलिए स्कूलों में दी गई घटिया सामग्री के लिये रकम तक इनके द्वारा लगाई गई थी। यहां तक कहा जा रहा है कि, पूरी सामग्री की सप्लाई इनके शोरूम से ही हुई है जिसकी पुष्टि खुद शोरूम पर लगे केमरे की एक माह से डेढ़ माह की रिकॉर्डिंग की जांच की जाए तो पुरा के पुरा दुध का दुध और पानी का पानी हो जायेगा। हालाकि रिकॉर्डिंग अब तक ठिकाने लग चुकी होगी, जो खुद ही प्रमाण कर देगी की आखिर रिकॉर्डिंग है क्यो नही।

गुनेहगार नंबर 3

पूरे मामले को पूरी तरह सामने आने से पहले ही भाजपा के जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक के पास पूरी जानकारी थी, लेकिन भाजपा जिलाध्यक्ष हो कर भाजपा की बदनामी को नही रोक सके। उल्टा खेल सामग्री मामले के सामने आने के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष महामंत्री, गंगाखेड़ी और पेटलावद मंडल अध्यक्ष के साथ नजर आए। बामनिया आने से परहेज़ करने वाले जिलाध्यक्ष लगातार बामनिया में दिखाई दिए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिलाध्यक्ष की और से इस मामले में किसी भाजपा नेता पर कार्रवाई हेतु संगठन को अगवत नही करवाया गया। जिस दिन बामनिया की एक फर्म को इस मामले में सील किया, उस दिन जिलाध्यक्ष अपने महामंत्री और मंडल अध्यक्ष के साथ उसी फर्म के सामने बैठ कर कवि सम्मेलन का आनन्द लेते रहे और फर्म का संचालक भी वही मौजूद रहा। भाजपा के कुछ नेताओं ने खुल कर विरोध किया, लेकिन भाजपा जिलाध्यक्ष पर इस मामले में लिप्त नेताओं को बचाने के आरोप लग रहे हैं। अगर समय पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने इस मामले को संभाल लिया होता तो आज भाजपा की इस कदर किरकिरी नही होती न ही अपनो का विरोध झेलना पड़ता।

प्रशासन की जांच में दोषी अधिकारी आखिर क्यों एफआईआर से हुए गायब

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जिले भर में प्रशासन ने देर रात छापेमारी कर खेल सामग्री और उसके खरीदने कि प्रक्रिया की जांच की। जांच के बाद प्रशासन ने 2 बीआरसी 9 जनशिक्षकों को निलंबित किया। जिले की कुल 6 फर्मों को भी ब्लेक लिस्टेट किया गया। तय है जांच के दौरान इन अधिकारियों और जनशिक्षकों की संगलिप्सा पाई गई होगी, जिसके आधार इनको निलंबित किया गया। लेकिन कार्यवाही के बढ़ते दबाव के बीच प्रशासन द्वारा थाना पेटलावद और थाना थांदला में कुल 5 फर्मों और एक व्यापारी के नाम धारा 420, 511 और 120 बी के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। लेकिन प्रशासन की और से दर्ज कराई गई एफआईआर में निलंबित बीआरसी और जनशिक्षकों के नाम नही दिए गए। यहां बड़ा सवाल ये उठता है कि, जब वे मामले में संगलिप्त नही थे तो उन्हें निलंबित क्यो किया गया और जब जाच में लापरवाही पाई जाने पर निलंबित किये गए तो एफआईआर में इनको शामिल क्यो नही किया। मामले की छानबीन करने पर पता चला कि, पूरा प्रसाशनिक अमला खेल सामग्री सप्लाई मामले में शामिल शिक्षको, जनशिक्षको और बीएआरसीयो को बचाने और मामले को रफ़-दफ़ कर ठंडा करने के लिए केवल ब्लैक लिस्टेड फर्मों के विरुद्ध मामला दर्ज करवा दिया। अगर निलंबित जनशिक्षको और बीआरसी के नाम एफआईआर में होते तो पूरे मामले का भंडाफोड़ हो जाता और सप्लाई में शामिल नेताओं के नाम सामने आ जाते जिससे उन नेताओं पर भी एफआईआर का दबाव बढ़ जाता। जिसको देखते हुए पूरे मामले को केवल फर्मों तक सीमित किया। पुलिस का कहना है कि, वो मामले की और जांच करेगे लेकिन ये कह पाना मुश्किल है कि, भाजपा पर भ्रष्टाचार का दाग लगाने वाले नेताओं और मिलीभगत में शामिल कर्मचारियों एवं अधिकारियो पर कोई मामला दर्ज होगा।

चैत्र नवरात्र में अनुष्ठान व गरबा से मां की आराधना

माही की गूंज, खवासा

शारदीय नवरात्र में पूरे देश में गरबा की धूम रहती है, लेकिन चैत्र नवरात्र का महत्व भी शारदीय नवरात्र से कम नहीं हे...? बल्कि बड़ी नवरात्रि भी कहां जाता है और इस बड़ी नवरात्रि पर ग्राम के प्राचीनतम अंबिका माता मंदिर और श्री राम मंदिर पर रात्रि में आकर्षक विद्युत सजा के साथ गरबा की धूम और दिन में वैदिक मंत्रोचार के साथ पूजन हवन के माध्यम से माता जी की भक्ति की जा रही है।

आयोजन समिति के सदस्य द्वारा बताया गया कि, इस वर्ष नौ दिवसीय शतचंडी महायज्ञ बड़ावदा निवासी ज्योतिर्विद योज्ञाचार्य प. योगेंद्र जी पौराणिक के अचार्यत्व में किया जा रहा है जिसमें रामचंद डेरिया ,प्रदीप करमदिया, गोपाल दरबोडिया, जगदीश खालसिया जितेंद्र भगत यजमान है दिनभर हवन और पूजन के पश्चात शाम को आरती की जाती है व रात्रि में गरबा की पारंपरिक वेशभूषा के साथ स्थानीय कन्याओं द्वारा आधुनिक वाद्य यत्रो पर आकर्षक गरबा खेला जा रहा है। नवरात्र का समापन 10 अप्रैल को किया जाएगा जिसमें स्थानीय हनुमान मंदिर से गंगाजल भरकर शोभायात्रा निकाली जाएगी।

सोतेले मामा ने किया रिश्ते को तार-तार, नाबालिग भांजी के यौन शोषण पर पुलिस ने किया मामा को नामजद

माही की गूंज, कुशलगढ़

कुशलगढ़ में सोतेले मामा ने रिश्ते को किया तार-तार, अपनी ही नाबालिग भांजी के साथ यौन शोषण करने के एक मामले में कुशलगढ़ पुलिस ने सोतेले मामा को नामजद किया है। पिडिता के पिता ने दिनांक 28 मार्च को कुशलगढ़ पुलिस को एक लिखित रिपोर्ट में बताया कि, मेरी नाबालिग बेटी अपने ननिहाल जाने घर से निकली थी। जो कुशलगढ़ पांडवा बस स्टैंड पर ननीहाल जानें के लिए बस का इंतजार कर रही थी कि, इसी दौरान एक व्यक्ति आया जो रिश्ते में सोतेला मामा लगता है, जो मामा पर विश्वास कर बाईक पर चली गई। पिडिता के पिता ने बताया की मेरी नाबालिग लड़की को सोतेला मामा उमझोका के जंगल में लें गया, जंहा आरोपी ने चाकु की नोक पर धमकाते हुए लड़की के साथ यौन शोषण किया व नाबालिग लड़की को बाईक पर बिठा कर कसुमर घाटी की तरफ लें गया। इस बिच अचानक मोड़ पर बाईक धिमी पड़ी तो मेरी बेटी कुद कर भागने में सफल हुई। जब बाईक से कुदी तो लड़की को चोट भी लगी बाद में सगे मामा के घर पंहुच नाबालिग लड़की ने अपने सगे मामा को आप बिती बताई, तब लड़की का सगा मामा अपने घर लाया व पुरे घटनाक्रम की जानकारी ली। कुशलगढ़ पुलिस ने नाबालिग लड़की के पिता की रिपोर्ट पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, रिश्ते को तार-तार करने वाला सोतेला मामा पाटन थाना क्षेत्र के ग्राम बालाचुना का है। कुशलगढ़ पुलिस ने नाबालिग लड़की के बयान धारा 164मे दर्ज करवा कर नाबालिग लड़की का मेडिकल परीक्षण भी कराया है।

डेकटोनेर और जिलेटिन रॉड मामले में सह आरोपी का अतिक्रमण हटाया

माही की गूंज, पेटलावद

गत माह पेटलावद के एक घर से मिले डेकोनेटर और जिलेटिन मामले में अवैध रूप से माल सप्लाई करने वाला सह आरोपी गोबा मैडा निवासी दुलाखेड़ी निवास पर बुधवार को पूरे राजस्व अमले के साथ पहुच कर अवैध अतिक्रमण हटाया। यहा गोबा मैडा के घर के आसपास बनी बड़ी वाल बावंड्री को जेसीबी से गिराया कर शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करवाया गया। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान तहसीलदार जगदीश वर्मा, थाना प्रभारी संजय रावत, ग्राम पंचायत दुलाखेड़ी सरपंच, राजस्व निरीक्षक, कई हलको के पटवारी, चौकीदार और भारी मात्रा में पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। तहसीलदार जगदीश वर्मा ने कहा कि, जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा और अनुविभागीय अधिकारी शिशिर गेमावत के नेतृत्व में अवैध अतिक्रमण और लिस्टेट अपराधियो पर कार्यवाही जारी रहेगी।

8 दिन से सोसाइटी में रखा किसान का गेंहू खराब क्वालिटी बता कर किसान पर गेहूं उठाने का बनाया जा रहा दबाव

माही की गूंज, पेटलावद/सारंगी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों के एक-एक दाने को उचित दाम पर खरीदने के दावे का स्थानीय अधिकारी मुख्यमंत्री के दावों का खुले आम मख़ौल उड़ा रहे हैं। इस बार गेंहू के भाव बाजार में अधिक होने से सोसाटीयों में किसानों की भीड़ कम ही देखी जा रही है और जो किसान सोसाइटी तक पहुच रहे हैं, स्थानीय अधिकारी उनके साथ दुर्व्यवहार और फसल में मिल मेक निकाल कर फसल लेने से इंकार कर रहे। मामला सारंगी सोसाइटी का है जहा पिछले 8 दिन से एक किसान अपनी फसल का तोल करवाने के लिए खड़ा है, लेकिन अधिकारी फसल को खराब बता कर तोल करने से मना कर रहे हैं। अब सोसाइटी में खुले में पड़ी फसल को उठाने के लिए किसान पर दबाव बनाया जा रहा है।

किसान ने की कलेक्टर को शिकायत

कलेक्टर के नाम आवेदन देते किसान अजय पंवार

मामला विपणन संस्था सारंगी का है। किसान अजय पवार ने बताया कि, जो गेहूं बीज बोया था वह बीज की क्वालिटी, दाना बड़ा, बिना मिट्टी का है। मेरे द्वारा विपणन संस्था पेटलावद में गेहूं का पंजीयन करवाया था जब तोलने की बारी आई तो संस्था द्वारा मुझे कहा जा रहा है कि, आपका माल संस्था से उठाकर ले जाओ यह माल हम नहीं तोलेंगे यह गेहूं सफेद हो चुका है। मैं काफी परेशान हो रहा हूं पिछले 8 दिन से मेरा बीज विपणन संस्था सारंगी में रखा हुआ है मुझ पर यह दबाव बनाया जा रहा है कि, आप यह माल जल्दी से जल्दी उठाओ। अब इस स्थिति में गेहूं लेकर कहा जाऊ, खेत में जैसा गेहूं पका वैसा ही में लेकर संस्था में ले गया, अब संस्था वाले गेंहू की क्वालिटी खराब और सफेद बताकर गेंहू लेने से इंकार कर रहे हैं। किसान अजय पवार का कहना है कि, मैं कोई व्यापारी तो नहीं हूं जो इधर से उधर कोई माल मिला कर दिया हो मैं शुद्ध किसान हूं मैं काफी मानसिक स्थिति से बहुत परेशान हूं मैंने तमाम सारे लोगों से बात कर ली मगर मेरी कोई सुनवाई नहीं हो रही है, इस संबंध में किसान द्वारा सम्बंधित अधिकारियों की शिकायत जिला कलेक्टर को भी की है।

राजपूत करणी सेना मूल के प्रदेशाध्यक्ष का किया स्वागत

माही की गूंज, पेटलावद

नगर के श्रद्धांजलि चौक पर राजपूत करणी सेना मूल प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर शिव प्रताप सिंह चौहान झाबुआ में राम कथा में शामिल होने जाते वक्त क्षेत्र की राजपूत करणी सेना मूल टीम एवं समस्त हिंदू संगठनों द्वारा पेटलावद में भव्य स्वागत किया गया। शहीद चौक पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा प्रदेश अध्यक्ष का पुष्प माला एवं दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता कुंवर जितेंद्र सिंह बरखेड़ी, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह सलवा ,प्रदेश उपाध्यक्ष जगपाल सिंह झकनावदा, जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह डैहण्डी, जिला उपाध्यक्ष हेमेंद्र सिंह सारंगी, तहसील अध्यक्ष जितेन्द चोहान, सूरज बना, शान बना, जीवन बना , कुलदीप बना, ओम प्रकाश चौहान, गोलू बना ,मोनू बना, सुरेंद्र बना आदि ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष की ओर से सभी समाजसेवी व धर्म सेवकों को दुपट्टा पहनाकर सभी का स्वागत किया, करणी सैनिक समाज जन एवं सभी संगठन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्रीं मद्द भागवत महापुराण कथा को श्रवण करने पहुंची विधायक खड़िया

पडियार परिवार द्वारा किया जा रहा है भव्य कथा का आयोजन

माही की गूंज, कुशलगढ़

मोहकमपुरा में पड़ियार परिवार की ओर से भागवत महापुराण कथा का आयोजन हो रहा है। कथा के तीसरे दिन क्षेत्र की विधायक सहित सैकड़ो ग्रामीण कथा का लाभ लेने के लिए पहुचे। संत रघुवीर दास महाराज के मुखारबिंद से हो रहीं भागवत महापुराण कथा में भजनों पर झुमी पड़ियार परिवार की माता-बहनें, मोहकमपुरा सहित आसपास से भागवत महापुराण कथा श्रवण करने आ रहे श्रद्धालु, दिन में भागवत महापुराण कथा रात में भजनों व गरबों का हों रहा। बांसुरी हारमोनियम व तबले की संगत पर लय सुर-ताल पर हो रही संगित मय भागवत महापुराण कथा, कुशलगढ़ विधायक श्रीमती रमीला हुरतींग खडीया वह नगरपालिका प्रतिपक्ष नेता रजनिकांत खाबिया ने संत रघुवीर दास जी महाराज का पुष्प माला से स्वागत किया, व आर्शीवाद, लिया। एडवोकेट रितेश पड़ियार ने बताया कि, श्री मद्द भागवत महापुराण कथा में पड़ियार परिवार सहित मोहकमपुरा के ग्रामीणों का भी योगदान भरपुर मिल रहा है। मारुती मानस मंडल के राजेश टेलर, दवा माता मंदिर के भगत मगनलाल जी चोहान, भादर डोड, रवि वाडेल, श्रीं राम आश्रम के बहादुर सिंह राठोड़, लाडुसिह राठोड़, कुशलगढ़ से हेमेंद्र पंडीया, सहित अन्य गांवों से आए भक्तों ने श्री भागवत महापुराण कथा को श्रवण किया।

खेल सामग्री भ्रष्टाचार को लेकर मैदान में उतरी एबीवीपी , चक्काजाम की चेतावनी , भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारी और नेताओं पर भी एफआईआर की मांग

माही की गूंज, पेटलावद

भाजपा के लिए सोमवार का दिन मुश्किलों भरा रहा एक और कॉंग्रेस महंगाई और खेल सामग्री भ्रष्टाचार के लिए प्रदर्शन कर रही थी, वही दूसरी और भाजपा का सहयोगी माने जाने वाला छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने भाजपा की मुसीबत और बड़ा दी, खेल सामग्री भ्रष्टाचार मामले में भारी किरकिरी झेल रही भाजपा सरकार के खिलाफ छात्र संगठन भी उतर गई, संगठन द्वारा निर्धारित तिरंगा यात्रा निकालने पेटलावद पहुची एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम कार्यालय पहुच कर खेल सामग्री मामले में जमकर नारेबाज़ी करते हुए भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारियो और नेताओं पर भी एफआईआर करने व साथ ही दो दिन में कार्रवाई नही होने पर चक्काजाम करने की चेतावनी भी दे डाली, एबीवीपी की और से ज्ञापन देने आए प्रताप कटारा ने कहा कि, भ्रष्टाचार में शामिल मेघनगर और थांदला में बीआरसी और जनशिक्षकों को निलंबित किया गया लेकिन उनका नाम एफआईआर में नही है। पेटलावद के बीआरसी सियाराम रायपुरिया को निलंबित तक नही किया। इस भ्रष्टाचार में नेताओं की साथ साठ-गांठ में डीपीसी और बीआरसी सहित जनशिक्षक भी शामिल थे, लेकिन इन पर कार्रवाई नही की गई। प्रताप कटारा ने कहा कि, सरकार स्कूली छात्रों के भविष्य से खेलना बन्द करे और उनको अधिक से अधिक सुविधा और शासन की योजनाओं का लाभ देकर आगे बढ़ाए। एबीवीपी के छात्रों ने जल्द से जल्द सामग्री घोटाले में शामिल सभी अधिकारियों और नेताओं की नामजद एफआईआर की मांग करते हुए कहा है कि, ऐसा नही किया जाता है तो आने वाले दिनों में छात्र संगठन बड़ी संख्या में सड़क पर उतर कर प्रर्दशन करेगा। इससे पूर्व एबीवीपी के छात्रों ने नगर में 151 फिट तिरंगे के साथ तिरंगा यात्रा निकाली, जिसमे बड़ी संख्या में संगठन से जुड़े छात्र-छात्राएं शामिल हुए। यात्रा उत्कृष्ट मेदान से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गो पर होती हुई नीलकंठेश्वर मन्दिर पर समाप्त हुई। यात्रा के बाद खेल सामग्री सप्लाई में हुए भ्रष्टाचार मामले में छात्र संगठन एबीवीपी का तहसील कार्यालय के सामने स्थित रायपुरिया-पेटलावद मार्ग पर जाम करने की योजना थी, जिसमें परिवर्तन कर सिर्फ ज्ञापन और चक्काजाम की चेतावनी के साथ आयोजन समाप्त कर दिया।

चैत्र नवरात्री में बह रही धर्म की गंगा

माही की गूंज, पारा

(कालका माता मंदिर)

चैत्र नवरात्री के शुभ अवसर पर कालका माता मंदिर धाम बख़तपुरा पारा में 9 दिनों तक माता का जगराता कर एकम से लेकर नवमी तक पारा गांव व आस-पास के क्षेत्रों में धर्म की गंगा बह रही है। रोजाना प्रातः काल 5 बजे माता का स्नान कर पूजा-अर्चना के साथ प्रत्येक दिन माताजी का अलग-अलग आकर्षक श्रृंगार 9 दिनों तक किया जाएगा। मंदिर प्रांगण में रोजाना रात-दिन माता के भक्तो के भीड़ देखने को मिली। कालका माता मंदिर धाम के गादी पति सतीश अजनार ने बताया कि, ग्यारस को पावागढ़ से अखंड ज्योत लाई गई है। ज्योत 15 दिनों तक अखंड जलती रहेगी, माताजी मंदिर पर राम नाम के साथ हवन भी किया जा रहा है, शाम को आरती के बाद प्रसादी का वितरण भी होता है। राम नवमी पर विशाल भंडार का आयोजन होगा। राम मंदिर पर भी राम नवमी को ले कर तैयारी की जा रही है, राम मंदिर के पुजारी कमलेश दास वैरागी ने बताया कि, नवरात्री के दौरान रोजाना प्रातः काल नवम पारायण का पाठ किया जा रहा है। राम नवमी के दिन श्री राम भगवान की दोपहर 12 बजे के करीब आरती उतरी जाएगी बाद में पंजेरी, फ्रूट आदि की प्रसाद भी वितरण की जाएगी। शाम को रामायण मंडल द्वारा भजन कीर्तन का आयोजन भी होगा।

चैत्र नवरात्रि में महाकालिका माता मंदिर में प्रतिदिन हो रहा मनमोहक श्रृंगार

पुर्णाहुति पर कन्या भोज एवं भंडारे का आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ

चैत्र नवरात्रि पर्व के चलते शहर के सभी माताजी मंदिरों में भक्तों का तांता लग रहा है। भक्तजन माता के नौ रूपों की आरधाना एवं भक्ति में पूर्णतः लीन है। मंदिरो में माता के जयकारे गूंजायमान हो रहे है। शहर के नेहरू मार्ग स्थित प्राचीन दक्षिण मुखी महाकालिका माता मंदिर, सामने स्थित प्राचीन संतोषी माता मंदिर, कॉलेज मार्ग स्थित अंबे माता मंदिर एवं खोड़ियार माता मंदिर, गायत्री शक्तिपीठ कॉलेज मार्ग, बसंत कॉलोनी स्थित गायत्री मंदिर, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित नवदुर्गा धाम पर प्रतिदिन भक्तों की दर्शन-पूजन के लिए भीड़ लगने के साथ यहां विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान भी संपन्न हो रहे है।

शहर के नेहरू मार्ग स्थित प्राचीन दक्षिणमुखी महाकालिका माता मंदिर में प्रतिदिन माताजी का अलग-अलग रूपों मे श्रृंगार मंदिर के व्यवस्थापक कांतिलाल नानावटी एवं चोला चढ़ाने का कार्य पं. राजेन्द्रपूरी गोस्वामी कर रहे है। चैत्र नवरात्रि में मंदिर पर आकर्षक विद्युत सज्जा, टेंट लगाने के साथ पूरे मंदिर परिसर को केसरिया ध्वजों से सुसज्जित किया गया है। मंदिर में ज्वारे भी बोए गए व अखंड ज्योत भी

प्रज्जवलित की गई। मंदिर के समीप धर्मशाला में सदुरू रामायण मंडल द्वारा अखंड रामायण पाठ किया जा रहा है। जिसमें प्रतिदिन श्री राम दरबार की पूजन के साथ यह पाठ सुंदर रूप से संगीतमय प्रस्तुति दी जा रहीं है।

अष्टमी पर हवन एवं दशहरे पर कन्या भोज का आयोजन

नवनीत कला मंडल द्वारा मंदिर में 9 अप्रेल, अष्टमी को शाम 5.30 बजे से हवन एवं दशहरे पर अखंड रामायण पाठ की पूर्णाहूति पर कन्या भोज और भंडारे का आयोजन मंदिर के समीप धर्मशाला पर रखा गया है। इसी प्रकार कॉलेज मार्ग स्थित अंबे माता मंदिर पर भी प्रतिदिन माताजी का विशेष श्रृंगार एवं चोला मंदिर के सेवक पं. विजय शर्मा चढ़ा रहे है। यहां भी हवन एवं कन्या भोज का आयोजन होगा। कॉलेज मार्ग स्थित गायत्री शक्तिपीठ एवं बसंत कॉलोनी स्थित गायत्री मंदिर पर चैत्र नवरात्रि में गायत्री महामंत्र के जाप, अनुष्ठान किए जा रहे है। इसके अलावा माता भक्तों द्वारा अपने घरों पर भी माताजी की स्थापना कर पूजा-अर्चना की जा रही है। व्रत एवं उपवास रखकर मनोकामनाएं पूर्ण करने हेतु माता रानी से प्रार्थना की जा रही है।

भाजपा कार्यालय पर झंडा वंदन कर प्रभात फेरी निकाली गई

माही की गूंज, सारंगी

भाजपा स्थापना दिवस पर भाजपा मंडल सारंगी में भाजपा का झंडा वंदन व राष्ट्रीय गीत के बाद प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें भगवान श्री राम के भजन गाते हुए, भाजपा के कार्यकर्ता ने सारंगी नगर का भ्रमण किया। नगर भ्रमण के बाद भाजपा कार्यालय पर भाजपा के कार्यकर्ता द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव भाषण सुना गया। जिसमें उपस्थित भाजपा मंडल अध्यक्ष सुखराम मोरी, भाजपा युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र गहलोत, सारंगी सरपंच पुंदीबाई मेडा, महामंत्री रामचंद्र भूरिया, भंवर सिंह गहलोत ,युवा मोर्चा अध्यक्ष सुखराम परमार, भाजपा वरिष्ठ नेता परमानंद पाटीदार, मिडिया प्रभारी सुरेश चन्द्र परिहार, मंडल उपाध्यक्ष देवसिंह निनामा, सोम सिंह गणावा, सुरसिंह मीणा, मंडल मंत्री मीरा दिनेश मुनिया, तेजपाल सिंह राठौड़, नानूराम भूरिया, सरपंच रजनीश पाटीदार, कार्यालय मंत्री बाबूलाल पाटीदार, आईटी सेल दीपक मालवीय, महिला मोर्चा रेशम बाई भूरिया, अजजा मोर्चा उपाध्यक्ष गवजी वसुनिया, रामचंद्र मुनिया, नंदराम भूरिया, कालू सिंह सोलंकी आदि अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं होगा संस्कार महोत्सव, आयोजन को भव्य बनाने हेतु बैठकों का दौर जारी

माही की गूंज, पेटलावद

अखिल विश्व गायत्री परिवार पेटलावद के तत्वाधान में 4 दिवसीय 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं संस्कार महोत्सव का आयोजन पेटलावद में होगा। यह आयोजन 27 से 30 अप्रैल तक चलेगा। आयोजन की संपूर्ण रूपरेखा बताते हुए गायत्री शक्तिपीठ पेटलावद के ट्रस्टीयों ने बताया कि, लंबे समय के बाद पेटलावद को 24 कुंडीय महायज्ञ एवं संस्कार महोत्सव आयोजित करने का अवसर प्राप्त हुआ है। इसकी पूर्व तैयारियों को लेकर गांव-गांव में गायत्री परिजन बैठकों का आयोजन कर रहे हैं। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं। गायत्री परिजन ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर धर्म प्रेमी जनता से इस गायत्री महायज्ञ एवं संस्कार महोत्सव में सपरिवार शामिल होने की अपील कर रहे हैं। गायत्री परिवार से जुड़े परिजन इस कार्य को मूर्त रूप देने के लिए प्रतिदिन बैठकों का आयोजन कर रहे हैं। प्रत्येक गांव में पहुंचकर यज्ञ स्थल तक पहुंचने, वहां की व्यवस्थाएं आदि की जानकारी प्रदान कर रहे हैं। गांव में चल रही बैठकों में यज्ञ की जानकारी तो दी ही जा रही है साथ में गायत्री महामंत्र व भजनों के माध्यम से धर्म के प्रति जन जागृति फैलाने का कार्य भी हो रहा है। 4 दिवसीय इस गायत्री महायज्ञ में शामिल होने के लिए पेटलावद विकासखंड की 77 पंचायतों के प्रत्येक गांव से वाहन सुविधा धर्म-प्रेमी जनता को लाने व ले जाने के लिए उपलब्ध रहेगी, ऐसी व्यवस्थाए गायत्री परिजनों ने तैयार की है। इसके पीछे मुख्य उद्देश्य यह है कि, धर्म प्रेमी जनता को यज्ञ स्थल पर पहुंचने और पुनः अपने ग्रह नगर पहुंचने के लिए किसी भी प्रकार की दिक्कतों का सामना न करना पड़े। प्रतिदिन हो रही बैठकों में मुख्य रूप से अलग-अलग टोलियां में गायत्री परिजन कृष्णसिंह राठौर, गोपाल चौधरी, ब्रजराजसिंह राजपुरोहित, निलेश पालीवाल, निलेश भट्ट, महेंद्र अग्रवाल, लूनचंद पाटीदार, मुकेश पाटीदार, रजनीकांत शुक्ला, राजेंद्र मोरिया, नीरज पटेल, गोपाल सोलंकी, रमेश प्रिंस, निलेश सिंह कुशवाह, जीवन भट्ट, लीलाधर पाटीदार, सत्यनारायण पालीवाल, अनुराग गौड़, संजय चौहान, सुरेंद्र समयदानी हरिद्वार, नीरज पटेल अपनी सेवाएं दे रहे है।

सामाजिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य के लिए 10 अप्रैल को देश की महानगरी मुंबई में झाबुआ से भी होगे सम्मानित

माही की गूंज, झाबुआ।

देश की महानगरी मुंबई के प्रसिद्ध सी-होटल, जूहू बीच पर आगामी 10 अप्रेल को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष में अवार्ड सेरेमनी-2022 का आयोजन रखा गया है। यह अवार्ड सेरेमनी अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार काउंसिल (बोर्ड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष (संस्थापक) शनि शाह के मार्गदर्शन में संपन्न होंगी। जिसमें देशभर की प्रसिद्ध फिल्मी हस्तीयां, राजनैतिक, प्रशासनिक एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रसिद्ध एवं ख्यातनाम लोग अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। अवार्ड सेरेमनी में देश के विभिन्न स्थानों से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार कांउसिल से जुड़े लोगों का सम्मान किया जाएगा।

अवार्ड सेरेमनी-2022 में बेनेडिक्ट डामोर होंगे सम्मानित।

जानकारी देते हुए अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार कांउसिल के जिला मीडिया प्रभारी दौलत गोलानी ने बताया कि, इसी क्रम में म.प्र. के झाबुआ जिले से इस अवार्ड सेरेमनी में सम्मान के लिए कांउसिल से जुड़े एवं अन्य संस्था जय भीम जागृति समिति, आदिवासी चेतना शिक्षण सेवा समिति, चेतना हाईस्कूल गडवाड़ा के संचालक, जिला टीबी फोरम के वरिष्ठ सदस्य बेनेडिक्ट डामोर का भी चयन हुआ है। उनका चयन झाबुआ जिले में सामाजिक क्षेत्र में पिछले दो वर्षों में कोरोनाकाल में जरूरतमंदों को आदिवासी चेतना शिक्षण सेवा समिति के माध्यम से निःशुल्क राशन सामग्री प्रदाय किए जाने, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों में संस्था के माध्यम से सत्त कार्य करने आदि के चलते उन्हें डॉ. अंबेडकर नोबल अवार्ड-2022 से नवाजा जाएगा।

इनकी भी रहेगी सहभागिता

अवार्ड सेरेमनी में श्री डामोर के साथ अंर्तराष्ट्रीय मानव अधिकार काउंसिल (बोर्ड) के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामप्रसाद वर्मा, काउंसिल के जिलाध्यक्ष अरूण डामोर, जिला सचिव एवं जिला मीडिया प्रभारी दौलत गोलानी, जिला बाल अधिकार मंच एवं अंर्तराष्ट्रीय मानव अधिकार काउंसिल के सेवाभावी तथा समर्पित सदस्य ओमप्रकाश मेड़ा भी सम्मिलित होकर इसका हिस्सा बनेंगे। ज्ञातव्य रहे कि इस अवार्ड सेरेमनी का वर्ष में एक बार डॉ. अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजन होता है। जिसमें देश के विभिन्न स्थानों से काउंसिल से जुड़े पदाधिकारी एवं सदस्य भाग लेते है।

न सीमेंट न रेत, और तैयार सीसी रोड

कही सड़क बनी ही नही और जहा बनी वहां स्थिती गंभीर , शासन की राशि का जमकर हो रहा दुरुपयोग

माही की गूंज, पेटलावद

पेटलावद की ग्राम पंचायतों में होने वाले कार्यो में इस कदर भ्रष्टाचार किया जा रहा है कि, इसका अंदाज़ा तक लगा पाना मुश्किल हो रहा है। शासन की राशि पंचायतो के विकास के लिए आ रही है या पंचायतो को संचालित करने वाले सरपंच-सचिव और अधिकारियो के विकास के लिए। वैसे तो ग्रामीण ग्राम पंचायतों में कई जगह सीसी रोड निर्माण के नाम पर भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है। कई पंचायते सड़क निर्माण के नाम पर बिना कार्य किये ही राशि हड़प कर गए, तो जिन पंचायतो में रोड बनाये जा रहे वो केवल दिखावे के लिए बन रहे। ग्रामीण अंचलों मे होने वाले निर्माण कार्यों में ग्राम पंचायत और ठेकेदारों की मिलीभगत से घटिया कार्य किए जा रहे हैं। शासन की लाखों रुपए की राशि हड़पने के उद्देश्य से निर्माण कार्य में घटिया सामग्री उपयोग में लाई जा रही है।

मामला ग्राम पंचायत मठमठ के गांव पोलारुंडा का है, जहां तीन लाख से अधिक की राशि से शांतिलाल डामर के घर से भमर सुरजी के घर तक लगभग 125 मीटर सीसी रोड का निर्माण किया जा रहा है। शासन के मापदंडों के अनुसार सीसी रोड में कोई कार्य नहीं किया जा रहा। रेत के स्थान पर स्थानीय नालों से निकलने वाली गारे वाली रेत का जमकर उपयोग हो रहा है। सीमेंट नाम मात्र ही उपयोग की जा रही है। सीमेंट-कांक्रीट सड़क निर्माण में बनने वाले बेस में सड़क के आस-पास पड़ी मिट्टी और बिना सीमेंट वाली रेत और गिट्टी बिछाई जा रही है। गांव के जागरूक युवाओ ने इस निर्माण पर आपत्ति ली, लेकिन कार्य मे कोई सुधार नही होने

आस-पास के नालों से लाया गया घटिया गारा युक्त बन्टा जिससे किया जा रहा है सीसी रोड का निर्माण

सड़क के आस-पास की मिट्टी सड़क के बेस में बिछाते मजदूर

पर सोशल मीडिया पर वीडियो भी वायरल किया है। जिसमें साफदिखाई दे रहा है कि, किस प्रकार सीसी रोड का निर्माण मापदंडों के विपरीत घटिया और बिना सीमेंट के उपयोग के किया जा रहा है। गारे वाली रेत, बिना सीमेंट के गिट्टी डाली जा रही है। जिससे रोड कब तक टिक पाएगा यह कहा नहीं जा सकता। रेत में मिट्टी मिलने से सड़क की गुणवत्ता का अंदाजा लगाया जा सकता है। गांव के जागरूक युवा मुकेश डामर, पप्पू डामर आदि ने मौके पर हो रहे घटिया निर्माण कार्य को रुकवाने का प्रयास किया लेकिन निर्माण कार्य नहीं रुका। युवाओं ने ग्राम के सरपंच सचिव को भी घटिया काम रुकवाने की बात कही लेकिन कार्य नहीं रुका, उल्टा कहा गया की जैसा काम चल रहा है चलने दो। गांवो में विकास के लिए सरकार लाखों रुपए पानी की तरह खर्च करती है, लेकिन धरातल पर उसका गलत उपयोग हो रहा है।

पंच परमेश्वर की राशि के उपयोग के लिए उपयंत्री को नही दी जाती जानकारी

ग्राम पंचायतों को पंच परमेश्वर योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग करने के लिए सम्बंधित उपयंत्री को जानकारीं देकर कार्य करने की आवश्यकता नही होती थी, जिस कारण इस राशि का उपयोग सरपंच-सचिव मनमाने ढंग से कर राशि बिना कार्य के फर्जी बिल लगा कर आहरण कर लेते थे। नए सीईओ अमित व्यास द्वारा बिना उपयंत्री के मूल्यांकन के कोई भुगतान नही करने के आदेश के बाद ग्राम पंचायतों ने उपयंत्री से लेआउट लेने और कार्य करने के लिए बाध्य हो गई। मौके पर ना तो इंजीनियर की देख-रेख में कार्य हो रहा है और न ही पंचायत का कोई जिम्मेदार मौके पर था। उपयंत्री राकेश पटेरिया ने बताया कि, कई कार्य का लेआउट देने के बाद कार्य शुरू हुआ था, कार्य मे घटिया सामग्री के उपयोग की जानकारी मिलने पर कार्य रूकवा दिया गया है, निर्माण कार्य के अनुसार मूल्याकन किया जाएगा।

बिना रेत सीमेंट के गिट्टी बिछाते मजदूर

संपादकीय

आत्महत्या का बढ़ता ग्राफ चिंता का विषय

यह आंकड़ा विचलित करता है कि, दुनिया में हत्याओं के मुकाबले आत्महत्या करने वालों की संख्या ज्यादा है। जिसके मूल में आर्थिक विसंगतियां, जटिल होती जीवन की परिस्थितियां, दरकते सपने और तंत्र की नाकामी समेत कई शारीरिक-मानसिक रोग शामिल हैं। कहीं न कहीं हमारा समाज मानसिक बीमारियों के प्रति संवेदनहीन बना रहता है। दरअसल, समाज में हत्या जैसे जघन्य अपराधों को रोकने के लिए सरकारी तंत्र, कानून प्रवर्तन एजेंसियां, जेल व न्यायालय मौजूद हैं लेकिन आत्महत्याओं को रोकने के लिये कोई कारगर तंत्र मौजूद नहीं है। तब यह चिंता ज्यादा बढ़ जाती है जब हम पाते हैं कि भारत में हत्या की तुलना में आत्महत्या की संभावना पांच गुना अधिक है। जहां इस संकट को संबोधित करने के लिये सरकारों के स्तर पर कारगर तंत्र नहीं है, वहीं मानसिक अवसाद व रोग के प्रति समाज की सहानुभूति का भी नितांत अभाव है। मानसिक स्वास्थ्य के उपचार के लिए भी कारगर चिकित्सा व्यवस्था नहीं है। यदि हम लैटिन अमेरिका के कुछ ड्रग माफिया ग्रस्त इलाकों के अपवाद को नजरअंदाज कर दें तो हत्या बनाम आत्महत्या की वैश्विक दर समान है। यह ठीक है कि, देर-सवेर आत्महत्या के आंकड़ों के प्रति सरकारों ने अब ध्यान देना शुरू किया है। उन समूहों को चिन्हित किया जा रहा है जिनमें आत्महत्या की दर अधिक है। इनमें शैक्षिक जगत में नाकामी झेलने वाले छात्र, पारिवारिक तनाव से जूझते बुजुर्ग-महिलाएं, जटिल परिस्थितियों में तनाव के बीच काम करने वाले सैन्य व अर्द्धसैनिक बलों के जवान भी शामिल हैं। कम वेतन से घिसटती जिंदगी तथा बेरोजगारों में यह संकट बढ़ा है। यह अच्छी बात है कि, आत्महत्या की प्रवृत्ति वाले लोगों की देखभाल व पुनर्वास की तरफअब सरकार भी गंभीरता से सोचने लगी है। इस दिशा में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम 2017 को एक सार्थक पहल के रूप में देखा गया। इसके अंतर्गत सोच थी कि कोई व्यक्ति आत्मघाती कदम एक मानसिक रोगी के रूप में उठाता है, जिसके प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण रखते हुए उसे अपराधी के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। दरअसल, मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम 2017 के माध्यम से मानसिक रोगियों के प्रति सरकार की ओर से संवेदनशील पहल की गई जहां मानसिक रोगियों को पर्याप्त स्वास्थ्य-चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की बात कही गई, वहीं मानसिक रूप से विक्षिप्त लोगों को बिजली के करंट के झटके से उपचार की पद्धति पर रोक लगाने को कहा गया। दरअसल, अधिनियम का मकसद मानसिक रोगों के उपचार को प्राथमिकता देना था। नि:संदेह, इस राह में तमाम तरह की बाधाएं हैं। पहले तो रोगी व्यक्ति अपने मानसिक रोग को स्वीकार करने को तैयार नहीं होता। कोई स्वीकारता भी है तो समाज में उसे तुरत-फुरत पागल करार देने की प्रवृत्ति अभी गई नहीं है। देश कई विषम परिस्थितियों के चलते तमाम मानसिक रोगों से जूझ रहा है। समाज में अवसाद व मादक द्रव्यों का सेवन इस रोग को विस्तार देता है। साथ ही हमारे समाज में मानसिक रोगों के उपचार के लिए पर्याप्त चिकित्सालय व प्रशिक्षित डॉक्टरों का नितांत अभाव है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े डराने वाले हैं। इसके अनुसार भारत में 2020 में आत्महत्या करने वालों की संख्या अपने उच्चतम स्तर पर डेढ़ लाख तक जा पहुंची। नि:संदेह, कोरोना संकट ने इस रोग को अधिक बढ़ाया। इस महामारी की लहर में बहुत अधिक लोगों ने अपने परिजनों, रिश्तेदारों व मित्रों को खोया है। लाखों परिवारों के मुखिया के महामारी की चपेट में आने से पूरा परिवार गहरे अवसाद में डूब गया। लाखों बच्चों ने अपने माता या पिता में से किसी को खोया। महामारी के अज्ञात भय ने पूरे समाज को उद्वेलित किया। यह विडंबना ही है कि हम देश में मानसिक रोगों के उपचार के लिये पर्याप्त संख्या में मनोचिकित्सकों व परामर्शदाताओं के साथ मानसिक उपचार की सुविधाओं की व्यवस्था करने में विफल रहे हैं। इसके उपचार के लिए समाज में जागरूकता फैलाने की जरूरत है कि शारीरिक बीमारी की ही तरह मानसिक बीमारी का भी उपचार संभव है। नि:संदेह, मानसिक रोगों से पीड़ित लोगों के प्रति समाज का संवेदनशील व्यवहार आत्महत्या रोकने में कारगर साबित हो सकता है।

संकट को अवसर में बदलाः रिकॉर्ड निर्यात

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय द्वारा रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच भारत से गेहूं निर्यात की संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में देश के अग्रणी गेहूं निर्यातकों के साथ अन्य संबंधित मंत्रालयों के अधिकारी भी शामिल थे। प्रमुख गेहूं उत्पादक राज्य मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी इस बैठक में मौजूद थे। इस बैठक में रूस और यूक्रेन से गेहूं आयात करने वाले दुनिया के 30 देशों में भारत से बड़े पैमाने पर गेहूं निर्यात करने का निर्णय लिया गया।

गौरतलब है कि, हाल ही में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, रूस और यूक्रेन युद्ध के चलते जहां भारत को अब गेहूं के निर्यात की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के अवसर का लाभ उठाना चाहिए, वहीं भारत को दुनिया भर में कृषि-उपज के व्यापक बाजार का पूरी तरह से दोहन करने के लिए आगे आना चाहिए।

नि:संदेह कोविड-19 की आपदाओं के बीच भारत ने वैश्विक स्तर पर दुनिया के जरूरतमंद देशों की खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने में अहम भूमिका निभाई। साथ ही दुनियाभर में कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ाने का अवसर भी हासिल किया। उसी तरह एक बार फिर रूस और यूक्रेन युद्ध के चलते भारत से गेहूं सहित अन्य खाद्यान्नों की मांग कर रहे जरूरतमंद देशों को खाद्यान्नों के अधिक निर्यात बढ़ाने के मौके को हकीकत बनाया जा रहा है। चूंकि रूस और यूक्रेन मिलकर वैश्विक गेहूं आपूर्ति के करीब एक चौथाई हिस्से का निर्यात करते हैं, लेकिन युद्ध के चलते इन देशों से गेहूं की वैश्विक आपूर्ति रुक गई है। ऐसे में 24 फरवरी के बाद भारत से गेहूं निर्यात में तेज इजाफा हुआ है। इस समय भारत के करीब 2.5 करोड़ टन से अधिक के विशाल गेहूं भंडार से भारत तेजी से अधिक निर्यात की पूर्ति करते हुए दिखाई दे रहा है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि वर्ष 2021-22 में लक्ष्य के अनुरूप कुल 70 लाख टन से अधिक गेहूं का निर्यात हो चुका है। साथ ही भारत का गेहूं निर्यात वित्तीय वर्ष 2022-23 में लक्ष्य के अनुरूप एक करोड़ टन के रिकॉर्ड स्तर को छू सकता है। उल्लेखनीय है कि, देश में गेहूं सहित खाद्यान्नों के रिकॉर्ड उत्पादन के कारण वित्त वर्ष 2022-23 में कृषि निर्यात की ऊंची संभावनाएं बढ़ गई हैं। सरकार के मुताबिक किसानों को दी जा रही पीएम सम्मान निधि, किसानों के लिए लागू की गई विभिन्न योजनाओं के सफल क्रियान्वयन, कृषि शोध और किसानों के परिश्रम से खाद्यान्न उत्पादन की बढ़ती हुई ऊंचाई खाद्यान्न निर्यात बढ़ाने में प्रभावी भूमिका निभा रही है। देश के सभी प्रमुख खाद्यान्न उत्पादक प्रदेशों में गेहूं सहित खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन दिखाई दे रहा है। ऐसे में खासतौर से पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश खाद्यान्न का निर्यात बढ़ाने के नए लक्ष्य रखते हुए आगे बढ़ रहे हैं। मध्यप्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल के मुताबिक, मध्यप्रदेश ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में गेहूं के निर्यात को सर्वोच्च ऊंचाई देने की रणनीति सुनिश्चित की है।

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के मुताबिक, भारत का मकसद केवल मौजूदा रूस-यूक्रेन संकट के मद्देनजर ही गेहूं निर्यात की नई व्यवस्था सुनिश्चित करना नहीं है बल्कि भारत दुनिया के गेहूं के ऐसे बाजारों में दीर्घकालिक और भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता देश के रूप में पहचान बनाना चाहता है, जहां अभी रूस और यूक्रेन का एक तरह से वर्चस्व है। ज्ञातव्य है कि दुनिया के अग्रणी गेहूं आयातक देशों में इंडोनेशिया, मिस्र, तुर्की, चीन, इटली, नाइजीरिया, अलजीरिया, जापान, फिलीपींस, ब्राजील, मोरक्को आदि शामिल हैं। इनमें से कुछ देशों में ही अब तक नियमित रूप से भारत का गेहूं जाता रहा है। जबकि इनमें से कई ऐसे देश हैं, जो कभी-कभी ही भारत से गेहूं खरीदते रहे हैं। ऐसे में भारत के पास दुनिया के 30 प्रमुख खाद्यान्न आयातक देशों के साथ-साथ कई अन्य देशों में भी खाद्यान्न निर्यात का विस्तार करने की प्रबल संभावनाएं हैं।

निःसंदेह यूक्रेन संकट के बीच जरूरतमंद देशों को खाद्यान्न निर्यात बढ़ाने और दुनिया का नया प्रमुख खाद्यान्न निर्यातक देश बनने के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। वर्तमान कृषि निर्यात नीति-2018 को और अधिक लाभप्रद बनाने के मद्देनजर नई कृषि निर्यात नीति 2022 को शीघ्र लागू किया जाना फायदेमंद होगा। इस नीति में निर्यात के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने पर पूरा जोर हो। सरकार द्वारा नई कृषि निर्यात नीति के तहत ज्यादा मूल्य और मूल्यवर्धित कृषि निर्यात को बढ़ावा दिया जाए। निर्यात की जाने वाली कृषि जिंसों के उत्पादन व घरेलू दाम में उतार-चढ़ाव पर लगाम लगाने के लिए रणनीतिक कदम उठाए जाएं। कृषि निर्यात की प्रक्रिया के मध्य खराब होने वाले सामान और कृषि पदार्थों की साफ-सफाई के मसले पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाए। नई खाद्यान्न निर्यात नीति में राज्यों की कृषि निर्यात में ज्यादा भागीदारी हेतु बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स में सुधार और नए कृषि उत्पादों के विकास में शोध एवं विकास गतिविधियों को प्रोत्साहन दिया जाए। कृषि निर्यात संबंधी विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात विकास प्राधिकरण द्वारा विशिष्ट वैश्विक कृषि व्यापार मेलों का आयोजन बढ़ाया जाए। देश के कृषि पदार्थों के निर्यातकों के साथ वैश्विक खरीदारों की अलग-अलग विशेष बैठकों की क्रमबद्धता भी बढ़ाई जाए। कृषि निर्यात से संबंधित विभिन्न विभागों के साथ निकट समन्वय स्थापित किया जाए। दिन-प्रतिदिन के आधार पर विभिन्न कृषि निर्यातकों के साथ और मजबूत सम्पर्क बनाया जाए।

यद्यपि सितंबर 2020 में लागू किए गए तीन कृषि कानूनों को सरकार ने दिसंबर 2021 में वापस ले लिया है, किन्तु इनकी उपयुक्तता संबंधी राय जानने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने जिस विशेषज्ञ पैनल का गठन जनवरी 2021 में किया था, उस पैनल ने जो रिपोर्ट प्रस्तुत की है, उसमें किसानों की जायज चिंताओं को दूर करने के लिए विभिन्न सुझाव दिए गए हैं। उन सुझावों को सरकार द्वारा अमल में लाने पर खाद्यान्न उत्पादन तेजी से बढ़ाकर खाद्यान्न निर्यात में भी बड़ी वृद्धि की जा सकती है। विशेषज्ञ समिति के सुझावों में किसानों की मदद के लिए सही मूल्य निर्धारण की खातिर मार्केट इंटेलिजेंस सिस्टम बनाने, कृषि लागत एवं मूल्य आयोग की भूमिका का विस्तार करने, किसानों के बीच कृषि अनुबंधों को लेकर समझ बढ़ाने, आदर्श कृषि सौदा अनुबंध तैयार करने जैसे प्रमुख सुझाव दिए गए हैं। विशेषज्ञ समिति ने यह भी सुझाव दिया कि राज्यों को यह सुविधा मिलनी चाहिए कि वे केंद्र के मशविरे और उसकी मंजूरी के बाद कृषि कानूनों को अपने तरीके से लागू कर सकें। अनिवार्य जिंस अधिनियम को समाप्त करने जैसे सुझाव भी दिए गए हैं।

निःसंदेह इस समय रूस-यूक्रेन संकट के बीच गेहूं सहित खाद्यान्नों की तेजी से बढ़ी हुई मांग को पूरा करने में भारत अहम भूमिका निभा रहा है। खाद्यान्न निर्यात की नई मांग को तेजी से पूरा करने के कारण वित्त वर्ष 2021-22 में भारत ने कृषि निर्यात के 43 अरब डॉलर के लक्ष्य को सरलता से प्राप्त कर लिया है। अब दुनियाभर में खाद्यान्न आपूर्ति के नए मौकों को मुट्ठियों में लेते हुए भारत वित्त वर्ष 2022-23 में कृषि निर्यात के 60 अरब डॉलर के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को भी हासिल करते हुए दिखाई दे सकेगा। हम उम्मीद करें कि कृषि निर्यात बढ़ने से देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई बढ़ेगी। किसानों की आमदनी बढ़ेगी।

श्रीलंका में अराजकता

-डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भारत के दो पड़ौसी देशों, पाकिस्तान और श्रीलंका में अस्थिरता के बादल छा गए हैं। पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय का फैसला जो भी हो और श्रीलंका की राजपक्ष भाइयों की सरकार रहे या चली जाए, हमारे इन दो पड़ौसी देशों की राजनीति गहरी अस्थिरता के दौर में प्रवेश कर गई है। जहां तक श्रीलंका का प्रश्न है, वहां राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य तीन मंत्री एक ही राजपक्ष परिवार के सदस्य हैं। ऐसी पारिवारिक सरकार शायद दुनिया में अभी तक कभी नहीं बनी है। जब सर्वोच्च पदों पर इतने भाई और भतीजे बैठे हों तो वह सरकार किसी तानाशाह से कम नहीं हो सकती। राजपक्ष-परिवार श्रीलंका का राज-परिवार बन गया। श्रीलंका में आर्थिक संकट इतना भीषण हो गया है कि कल पूरे मंत्रिमंडल ने इस्तीफा दे दिया। सबसे बड़ी बात यह कि जिन चार मंत्रियों को फिर नियुक्त किया गया, उनमें वित्तमंत्री बसील राजपक्ष नहीं हैं। वित्तमंत्री के खिलाफसारे देश में जबर्दस्त रोष फैला हुआ है, क्योंकि मंहगाई आसमान छूने लगी है। चावल 500 रुपए किलो, चीनी 300 रुपए किलो और दूध पाउडर एक हजार 600 रुपए किलो बिक रहा है। बाजार सुनसान हो गए हैं, ग्राहकों के पास पैसे नहीं हैं, रोजमर्रा पेट भरने के लिए हर परिवार को ढाई-तीन हजार रुपए चाहिए, लोग भूखे मर रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि अगले दो-तीन दिन में सरे-आम लूट-पाट की खबरें भी श्रीलंका से आने लगें। पेट्रोल, डीजल और गैस का अकाल पड़ गया है, क्योंकि उन्हें खरीदने के लिए सरकार के पास डॉलर नहीं हैं। लोग अपनी जान बचाने के लिए भाग-भागकर भारतीय आ रहे हैं। श्रीलंका के रिजर्व बैंक के गवर्नर अजीत निवार्ड कबराल ने भी इस्तीफा दे दिया है। श्रीलंका की अर्थव्यवस्था के तीन बड़े आधार हैं। पर्यटन, विदेशों से आनेवाला श्रीलंकाइयों का पैसा और वस्त्र-निर्यात। महामारी के दौरान ये तीनों अधोगति को प्राप्त हो गए। 12 बिलियन डॉलर का विदेशी कर्ज चढ़ गया। उसकी किस्तें चुकाने के लिए सरकार के पास पैसा नहीं है। चाय के निर्यात की आमदनी घट गई, क्योंकि रासायनिक खाद पर प्रतिबंध के कारण चाय समेत सारी खेती लंगड़ा गई। श्रीलंका को पहली बार चावल का आयात करना पड़ा। 2019 में बनी इस राजपक्ष सरकार ने अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लालच में तरह-तरह के टैक्स घटा दिए और मुफ्त अनाज बांटना शुरु कर दिया। सारा देश विदेशी कर्जे में डूब गया। गांव-गांव और शहर-शहर में लाखों लोग सड़कों पर उतर आए। घबराई हुई सरकार ने विरोधी दलों से अनुरोध किया कि सब मिलकर संयुक्त सरकार बनाएं लेकिन वे तैयार नहीं हैं। राजपक्ष सरकार ने पहले आपात्काल घोषित किया, संचारतंत्र पर कई पाबंदियां लगाईं और अब उसे कर्फ्यू भी थोपना पड़ा है। भारत सरकार ने श्रीलंका की तरह-तरह से मदद करने की कोशिश की है लेकिन जब तक दुनिया के मालदार देश उसकी मदद के लिए आगे नहीं आएंगे, श्रीलंका अपूर्व अराजकता के दौर में प्रवेश कर जाएगा।

अब जमानत मिलने पर होगी तुरंत रिहाई

अनूप भटनागर

एक समय था जब कैदियों को अदालत से जमानत मिल जाने के बावजूद कई-कई दिन उनकी रिहाई नहीं होती थी और उनके परिजन इसके लिए यहां से वहां भटकते थे। कई बार तो जेल प्रशासन अदालत के आदेश की प्रमाणित प्रति नहीं मिलने अथवा कैदी के निवास स्थान के पते के सत्यापन के नाम पर उनकी रिहाई में विलंब करते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

विचाराधीन कैदियों को जमानत मिल जाने के बावजूद अब अधिक समय तक जेल की सलाखों के पीछे समय नहीं गुजारना पड़ेगा। इसकी वजह, जमानत से संबंधी न्यायिक आदेश की प्रमाणित प्रति दस्ती तरीके से पहुंचाने की बजाए उन्हें इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली के माध्यम से तत्परता के साथ भेजने की व्यवस्था शुरू हो जाना है।

शुरू में इस प्रणाली के तहत देश भर में एक हजार 887 ईमेल आईडी तैयार किए गए हैं और शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री में 'फास्टर' (इलेक्ट्रॉनिक रिकार्ड के त्वरित एवं सुरक्षित संप्रेषण) प्रकोष्ठ स्थापित करने के साथ ही विभिन्न स्तरों पर 73 नोडल अधिकारी नियुक्त किये गए हैं जो जिला अदालत के स्तर पर तालमेल कायम करेंगे। शीर्ष अदालत ने साल 2021 में न्यायिक आदेश के बावजूद आगरा की जेल में बंद 13 कैदियों की आठ दिन तक रिहाई नहीं होने की घटना प्रकाश में आने पर इसका स्वतः संज्ञान लिया था। इस घटना के बाद ही न्यायालय ने कैदियों की रिहाई के लिये न्यायिक आदेश पहुंचाने हेतु डिजिटल माध्यम से आदेश संप्रेषित करने की दिशा में यह कदम उठाना शुरू किया था। आगरा की जेल में 20 वर्ष बिताने के बाद 13 कैदियों को अंतरिम जमानत मिलने के बावजूद एक सप्ताह तक रिहा नहीं करने और इसके बाद नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ आन्दोलन के दौरान हिंसा की घटनाओं के सिलसिले में गिरफ्तार दो छात्राओं नताशा नरवाल और देवांगना कलिता सहित तीन आरोपियों को उच्च न्यायालय से जमानत मिल जाने के बावजूद 48 घंटे तक तिहाड़ से जेल से रिहा नहीं करने की घटनाओं पर न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया था। इन छात्राओं के मामले में तो दिल्ली पुलिस ने तर्क दिया था कि आरोपियों के निवास स्थान के पते का सत्यापन हो रहा था। उच्चतम न्यायालय ने उसी समय स्पष्ट कर दिया था कि 'कागो हाथ संदेशा भेजने' की पुरानी परंपरा अब बीते दिनों की बात हो जायेगी और कैदियों की रिहाई में विलंब नहीं होगा। इसके बाद ही कैदियों की अविलंब रिहाई सुनिश्चित करने के इरादे से ही उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार के सहयोग से एक नई इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली शुरू करने की कवायद शुरू की क्योंकि उसका स्पष्ट मत रहा है कि अदालत से जमानत मिलने के बाद एक दिन भी अतिरिक्त उन्हें जेल में रखना उनकी व्यक्तिगत आजादी और उनके मानव अधिकार का हनन है।

न्यायालय का सदैव यह मत रहा है कि, देश के सभी नागरिकों को संविधान के अनुच्छेद 21 में दैहिक आजादी का अधिकार प्राप्त है और अगर जेल में बंद किसी व्यक्ति को अदालत से जमानत मिल जाती है तो उसे अविलंब ही रिहा किया जाना चाहिए। लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं हो रहा था। इनमें सबसे ज्यादा घटनाएं नागरिकों को अवैध तरीके से हिरासत में रखने या फिर अदालत के आदेश के बावजूद कई-कई दिन तक उन्हें जेल से रिहा नहीं करने से संबंधित होती हैं। लेकिन फास्टर प्रणाली शुरू हो जाने के बाद अब ऐसा संभव नहीं होगा।

प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण ने पिछले सप्ताह ही उच्च न्यायपालिका के आदेशों को सुरक्षित तौर पर संप्रेषित करने के उद्देश्य से फास्टर सॉफ्टवेयर लांच किया है। इस प्रणाली के तहत उच्चतम न्यायालय के नोडल अधिकारियों के हस्ताक्षर से ही जमानत के आदेश संप्रेषित होंगे और यह पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। इस प्रणाली के माध्यम से संप्रेषित न्यायिक आदेश बगैर किसी तीसरे पक्ष की छेड़छाड़ के ही अविलंब गंतव्य तक पहुंचेंगे। इससे जमानत मिलने वाले कैदियों की रिहाई में ज्यादा विलंब नहीं होगा। शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप से न्यायिक आदेशों को तुरंत और सुरक्षित तरीके से संप्रेषित करने की यह व्यवस्था लागू होने से निश्चित ही जहां कैदियों को राहत मिलेगी वहीं उनके परिजनों को कई-कई दिन तक जेलों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। जेल प्रशासन भी आदेश की प्रति मिलने में विलंब के नाम पर रिहाई टाल नहीं सकेंगे। यह व्यवस्था पूरी तरह लागू हो जाने के बाद देश के दूरदराज के इलाकों में कैदियों के जमानत के आदेश तत्परता से संप्रेषित करना संभव होगा वहीं देश की तमाम जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों के बंद होने की समस्या से भी राहत मिलने की उम्मीद है।

कर्ज का बखान, देवे सुंदरी वसूले पहलवान

आलोक पुराणिक

बमबाजी करके चौपट करने के तरीके पुराने हैं। चीन स्मार्ट है, कर्ज देकर चौपट करता है। चीन ने बहुत पहले श्रीलंका को कर्ज दिया। कर्ज वापस न कर पाया श्रीलंका, उसके पोर्ट वगैरह पर कब्जे का सिलसिला शुरू हुआ। चीन बहुत ही खतरनाक टाइप का कर्ज देयक है। बहुत संभव है कि कुछ दिनों में श्रीलंका सरकार के मंत्रियों की धरपकड़ करके चीन अपने यहां होटलों में बर्तन साफकरवाए। पता लगे कि श्रीलंका में चाइनीज लोग ही मंत्री, प्रधानमंत्री बने बैठे हैं। चीन की कर्ज वसूली कुछ उस टाइप की होती है जिस टाइप से तमाम निजी बैंक कार कर्ज की वसूली करते हैं। जो कर्जदार कर्ज वापस न करते, उसकी तुड़ाई करते हैं फिर कार छीन कर ले जाते हैं। श्रीलंका का हाल चीन के आगे वैसा ही है। श्रीलंका का हाल यह है कि वहां एक कप चाय 100 रुपए की मिल रही है, एक किलो आलू 200 रुपए के मिल रहे हैं। चीन से कर्ज लेने के बाद श्रीलंका में चाय और आलू सोने के लेवल पर जा रहे हैं। ऐसे ही एक दिन चीन पाक का लेवल उठा देगा। चीन कर्ज देगा, फिर वसूली अपनी शर्तों पर करेगा। पाक के पास निर्यात करने के लिए सिर्फआतंकी हैं, जिसकी कीमत डालरों में नहीं मिलती। कर्ज लेकर कार, बंगला खरीदने वालों को बताया जाना चाहिए कि श्रीलंका वाला हिसाब हो जाता है। एटम बम के साथ-साथ कर्जों को भी महाविनाश के हथियार घोषित कर दिया जाना चाहिए। पुराना वक्त था, जब कर्ज लिया जाता था, अब कर्ज दिया जाता है। आपको कर्ज की जरूरत है क्या-बहुत मधुर आवाज में कोई सुंदरी पूछती है, किसी बैंक से या किसी फाइनेंस कंपनी से। अरे जरूरत होगी, तो खुद ही आ जायेंगे। पर कर्ज अब दिया जाता है, ले लीजिये, कार का बड़ा साइज कर लीजिये। जी मेरी कार में बड़े आराम से लोग बैठते हैं, मुझे जरूरत नहीं है। ले लीजिये, फिर भी, ले लीजिये। बंदा सुंदरियों के आग्रह में फंस जाता है और कमाल यह है कि अगर कर्ज का भुगतान लेट हो जाये तो फिर सुंदरी फोन न करती, फिर पहलवान आते हैं। बेचते समय सुंदरी आती है, और वसूलने को पहलवान आते हैं। यही कर्ज की कहानी है। इतना ही नहीं, लोन न मांगो, फिर भी बैंक और फाइनेंस कंपनी वाले अप्रूव करके भेज देते हैं। ईमेल में फलां फाइनेंस कंपनी बताती है कि आपका पच्चीस लाख का लोन अप्रूव कर दिया है। मतलब मांगो या न मांगो, लोन अप्रूव हो गया है। कई बार श्रीलंका जैसे देश ऐसे प्री-अप्रूव्ड लोन में फंस जाते हैं और फंसे ही रह जाते हैं। पाकिस्तान का हाल अलग है। पाकिस्तान तो पहले ही साफकह सकता है कि हमारे पास तो कुछ है ही नहीं, देने को। दिखाने को सिर्फएटम बम और देने को सिर्फआतंकी हैं हमारे पास। पाकिस्तान से चीन वसूली कैसे कर पायेगा, यह देखकर बैंक सीखेंगे कि भिखारियों से भी वसूली की जा सकती है।

अपराधिक प्रवृत्ति के सुरेश उर्फ रांका का अवैध निर्माण प्रशासन ने किया ध्वस्त

माही की गूंज, शाजापुर।

कलेक्टर दिनेश जैन के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर सत्येन्द्र प्रसाद सिंह, एसडीओपी संदीप मालवीय के नेतृत्व में शुजालपुर अनुभाग की तहसील पोलायकलां के ग्राम खड़ी में प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही करते हुए अपराधिक प्रवृत्ति के सुरेश उर्फरांका का अवैध निर्माण ध्वस्त किया गया। साथ ही अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को कृषि कार्य के लिए पट्टों पर दी गई लगभग 110 बीघा भूमि भी सुरेश के कब्जे से मुक्त कराई।

उल्लेखनीय है कि, ग्राम खड़ी के निवासी सुरेश उर्फरांका पिता नारायण मालवीय द्वारा ग्राम आबादी में 6 दुकानें और इनकी दूसरी मंजिल पर एक बड़े हॉल का निर्माण कर लिया गया था और इस अवैध भवन में शराब की अवैध बिक्री और बिना अनुमति शराब पिलाने का कार्य किया जाता था, जिसे प्रशासन द्वारा जमींदोंज कर दिया। अतिक्रमणकर्ता सुरेश उर्फ रांका आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है, जिसके विरुद्ध शाजापुर सहित लगभग 6 जिलों में आपराधिक प्रकरण दर्ज है। इसे 3 बार जिला बदर किया जा चुका है और 2 बार रासुका की कार्यवाही भी इसके विरुद्ध की जा चुकी है। उक्त व्यक्ति पर लगभग 35 आपराधिक प्रकरण दर्ज है, जिनमें से 4 मामलों में ये अभी फरारी काट रहा है। सुरेश उर्फरांका पर आबकारी अधिनियम की धारा 34 (2) के तहत भी प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

सुरेश खुद अनुसूचित जाति वर्ग का सदस्य होने के बाद भी उसके द्वारा अपने ही जाति वर्ग के गरीब लोगों का शोषण कर उन्हें उनके अधिकार से वंचित रखा जा रहा था। आरोपी के द्वारा ग्राम खड़ी में अपनी दहशत फैलाकर अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को कृषि कार्य हेतु शासन द्वारा पट्टे के रुप में प्रदान की गई लगभग 110 बीघा कृषि भूमि पर भी कब्जा कर लिया गया था। इसकी दहशत के चलते पट्टाधारी व्यक्ति ना तो पट्टे की भूमि पर कृषि कर पा रहे थे और ना ही इस व्यक्ति के विरुद्ध शिकायत कर पा रहे थे। अतिक्रमण कर बनाए गए भवन को प्रशासन द्वारा तोड़ने पर गरीब पट्टाधारी व्यक्तियों ने भी साहस दिखाया और अब अपने पट्टे की भूमि पर कब्जा लेने को तैयार है। प्रशासन द्वारा समस्त कृषि भूमि को भी अतिक्रमण मुक्त कर दिया गया है। आरोपी द्वारा ग्राम के ही एक व्यक्ति की भूमि पर कब्जा करके बिना अनुमति के लगभग 4 हजार वर्गफीट क्षेत्र में पोल्ट्री फार्म भी बना लिया था, जिसकी जमीन की कीमत 20 लाख रूपए तथा 10 लाख रूपए का निर्माण कार्य किया गया था, जिसे भी की प्रशासनिक कार्यवाही के दौरान तोड़ दिया गया। तोड़े गए अवैध भवन और अवैध पोल्ट्री फार्म की कीमत लगभग 67 लाख रुपए है।

आरोपी सुरेश खुद को भीम आर्मी का सदस्य बताकर लोगों को धमकाता था और एट्रोसिटी एक्ट का दुरुपयोग भी करता था। आरोपी पुलिस प्रशासन पर भी पूर्व में 3 बार हमला कर चुका है। इसके द्वारा कच्ची शराब बनाने और बेचने का अवैध व्यापार भी किया जाता था।

प्रशासन की इस कार्यवाही से ग्राम और आसपास के क्षेत्र के लोगों तथा पट्टाधारी गरीब वर्ग में हर्ष व्याप्त है। इस कार्यवाही को एसडीएम शुजालपुर सत्येन्द्र प्रसाद सिंह और एसडीओपी संदीप मालवीय के नेतृत्व में तहसीलदार पोलायकलॉ, थाना प्रभारी अ. बड़ोदिया, सीईओ जनपद पंचायत शुजालपुर और पुलिस प्रशासन के संयुक्त अमले ने अंजाम दिया।

लाईन परिचालक निलंबित, कनिष्ठ यंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी

माही की गूंज, शाजापुर।

कार्यपालन यंत्री मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा सलसलाई में पदस्थ लाईन परिचालक शंभू शरण चौधरी को कार्य में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। इसी तरह कार्यपालन यंत्री द्वारा सलसलाई वितरण केंद्र में पदस्थ कनिष्ठ यंत्री मनोज मालवीय को पदेन कर्त्तव्यों में लापरवाही एवं शिथिलता बरतने के कारण एक वेतन वृद्धि रोकने के संबंध में कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

उल्लेखनीय है कि, सलसलाई वितरण केन्द्र के अंतर्गत भैंसरोद मुख्यालय के ग्राम ओसानपुरा में 11 केव्ही लाइन घरेलू फीडर के तार के संपर्क में आने से विगत 3 अप्रैल को घातक विद्युतीय दुर्घटना घटित हुई, जिसमें एक व्यक्ति एलमसिंह मेवाड़ा पिता देवीसिंह निवासी ओसानपुरा की करंट लगने से मृत्यु हो गई। इसे देखते हुए कार्य में लापरवाही और मेंटेनेंस समय पर नहीं करवाने के कारण कारण बताओ सूचना पत्र दिया गया है।

राज्यमंत्री श्री परमार स्वच्छता संकल्प महारैली में हुए सम्मिलित

माही की गूंज, शुजालपुर।

प्रदेश के स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री इन्दर सिह परमार शुजालपुर में स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 में शुजालपुर को नंबर वन बनाने के लिए नगरपालिका द्वारा जागरूकता के लिए निकाली गई स्वच्छता संकल्प महारैली में शामिल हुए। उन्होंने लोगों से शुजालपुर को नंबर वन बनाने में सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर राज्यमंत्री श्री परमार ने संबोधित करते हुए कहा कि, प्रत्येक नागरिक अपने घर के गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखें तथा कचरा इकट्ठा करने आने वाले वाहन में गीला और सूखा कचरा अलग-अलग चेम्बर में डालें। उन्होंने कहा कि, गीले कचरे से खाद बनाई जाती है, जो कृषि के उपयोग में ली जा रही है। इस मौके पर उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर बैन लगाने को कहा। साथ ही उन्होंने समाज के लोगों से भी अनुरोध किया कि वे आगे आएं और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करें। सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले नुकसान के संबंध में बताते हुए कहा कि, यह प्लास्टिक नष्ट नहीं होता है, धरती में पड़ा रहता है, खेती को नुकसान पहुंचाता है। खाद्य सामग्री चिपकी होने के कारण इसे पशुओं द्वारा भी खा लिया जाता है, जिससे पशुओं की मृत्यु तक हो जाती है। उन्होंने कहा कि सभी प्रण लें कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे। राज्यमंत्री श्री परमार ने कहा कि, शुजालपुर को स्वच्छता में नंबर वन बनाने का दायित्व सभी का है। सभी लोग मिलकर तय करें कि वे अपनी गली, मोहल्ले और नगर को स्वच्छ रखेंगे। इस मौके पर उन्होंने शुजालपुर के गौरव दिवस मनाने पर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में जिले के 31 हितग्राहियों को वितरित हुई राशि

माही की गूंज, मंदसौर।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में कुशाभाऊ ठाकरे सभागार से मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का शुभारंभ किया। इस शुभारंभ कार्यक्रम के लाइव प्रसारण को नवीन कलेक्ट्रेट भवन के सभागृह में देखा व सुना गया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती प्रियंका मुकेश गिरी गोस्वामी एवं कलेक्टर गौतम सिंह के द्वारा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का लाभ लेने वाले जिले के 31 हितग्राहियों को 2 करोड़ 61 लाख 2 हजार रूपए के स्वीकृति पत्र वितरित किया गए। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्षा ने कहा कि, इस तरह की योजनाओं का लाभ लेना चाहिए तथा रोजगार एवं व्यवसाय स्थापित करना चाहिए। व्यवसाय स्थापित करने के साथ ही अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान करना चाहिए। इसके साथ युवा लोग इस तरह की योजनाओं का लाभ सब ले। इसके लिए दूसरों को भी प्रेरित करें ताकि वह भी अपने पैरों पर खड़े हो सके।

कलेक्टर गौतम सिंह ने कहा कि, अगर योजनाओं से लोन लेने में किसी प्रकार की कोई समस्या आती है, तो वह सीधे आकर मिल सकते हैं। अपने भविष्य का एक लक्ष्य बनाकर उसकी तैयारी करें तथा आत्मनिर्भर बनें तथा अन्य लोगों को रोजगार प्रदान करें। कार्यक्रम के दौरान सीईओ जिला पंचायत कुमार सत्यम, उद्योग विभाग के महाप्रबंधक जयंत कुमार जैन, एलडीएम, उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर जेके जैन द्वारा किया गया एवं आभार उद्योग विभाग के सहायक संचालक दिनेश द्वारा माना गया।

कैबिनेट मंत्री श्री डंग ने दिलाया किसानों को बड़ा तोहफा

माही की गूंज, मंदसौर।

कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह डंग एक बार फिर सुवासरा क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात लेकर आए है। भोपाल में हुई मध्य प्रदेश कैबिनेट की बैठक में सुवासरा विधानसभा की महत्वपूर्ण योजना को मंजूरी मिली है। कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह डंग के प्रयासों से 2 हजार 374 करोड रुपए की कयामपुर-सीतामऊ सिंचाई योजना को कैबिनेट से स्वीकृति मिल गई। यह क्षेत्र के लिए और संपूर्ण जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इस योजना से एक लाख 12 हजार हेक्टेयर जमीन संचित होगी और 252 गांवों को लाभ मिलेगा। इससे पूर्व में एक हजार 650 करोड रुपए की शामगढ़-सुवासरा सिंचाई योजना की स्वीकृति क्षेत्र को मिल चुकी है। अब इस नई योजना की स्वीकृति से संपूर्ण विधानसभा में खेतों तक चंबल का पानी पहुंचने का सपना साकार होगा।

उल्लेखनीय है कि, मंत्री श्री डंग के सफल भागीरथी प्रयासों से अब सुवासरा विधानसभा के हर खेत पर पानी पहुंचाने का सपना पूरा होगा। अब सुवासरा विधानसभा पूर्ण सिंचित क्षेत्र में शामिल होगी। वर्तमान में शामगढ़-सुवासरा सिंचाई योजना का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है जो अतिशीघ्र पूर्ण होने वाला है। अब इसके साथ ही सीतामऊ-कयामपुर सिंचाई योजना को भी कैबिनट में स्वीकृति मिल चुकी है। शीघ्र ही सीतामऊ-कयामपुर सिंचाई योजना का काम भी चालू होगा।

इस महती योजना की स्वीकृति पर मंत्री श्री डंग ने कहा कि, सीतामऊ-कयामपुर सिंचाई योजना की स्वीकृति का जो सपना था वह मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने योजना स्वीकृत कर पूरा किया है। सुवासरा विधानसभा में चम्बल का फैरा है, फिर भी हमारे किसान बन्धु सिंचाई के लिए परेशान रहते हैं। मेरा राजनीति का सपना था- प्रत्येक किसान के प्रत्येक खेत पर पानी पहुंचाना, जिसे मैनें अपना कर्तव्य मान कर प्रयास जारी रखे। सीतामऊ-कयामपुर दाबयुक्त सुगम उद्धवन वृद्ध सिंचाई योजना की लागत राशि 2 हजार 374 करोड़ है। इस योजना के निर्माण के बाद एक लाख 12 हजार से अधिक भूमि सिंचित होगी। जिसमें सीतामऊ-कयामपुर तहसील सहित 252 गांव है, जिसमें कुछ गांव मंदसौर तहसील के भी है। योजना का निर्माण कार्य शक्करखेड़ी के पास से प्रारंभ किया जावेगा। मंत्री श्री डंग ने मुख्यमंत्री श्री चौहान, जलसंसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के प्रति आभार प्रकट किया है। आपने योजना की स्वीकृति पर समस्त किसान बंधुओं एवं क्षेत्रवासियों को भी बधाई दी है।

पेड़-पोधे, जीव-जंतु हमारे लिए पूजनीय- विधायक सिसोदिया

माही की गूंज, मंदसौर।

मल्हारगढ़ जनपद में स्थानीय जैव विविधता संरक्षण के लिए जनपद स्तर पर लोक जैवविविधता पंजी निर्माण के लिए बैठक आयोजित कि गई। बैठक के दौरान विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, जनपद अध्यक्षा श्रीमती निर्मला जैन, जनपद सीईओ एमएल स्वर्णकार, डॉ. प्रेरणा मित्रा एवं जनप्रतिनिधि उपस्थिति थे।

बैठक के दौरान विधायक सिसोदिया ने कहा कि, जैव विविधता पंजी का उद्देश्य पौधों को सूचीबद्ध करना है। जैव विविधता को क्षति पहुंचाने वाले कारकों को चिन्हित करना है। वनस्पतियों और जंतुओं की निगरानी विलुप्त पौधों का मूल्यांकन स्थानीय सहयोग के जरिए उनका प्रभावी संरक्षण संभव है। प्रकृति आपकी जरूरतों को पूरा करती है पेड़-पौधे वर्तमान जीव-जंतु हमारे लिए पूजनीय रहे हैं हर पौधे का अपना महत्व है इसे स्वीकार करती हमें उसके संरक्षण के लिए हर यथासंभव प्रयास करना होगा। प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. प्रेरणा मित्रा ने जैव विविधता पंजी के महत्व व उसके संधारण के बारे में चर्चा की पंजी के परिपत्रों में जरूरी जानकारी संकलन, जैव विविधता के सहयोगी विभाग के अधिकारियों व जानकार कर्मचारियों के सहयोग लेने पर बल दिया गया। बैठक में जैव विविधता पंजी में भौगोलिक संरचना और जैव विविधता की उपलब्धता को ध्यान में रखकर चयन करने की सहमति बनी। कार्यक्रम में आभार जनपद सीईओ एमएल स्वर्णकार ने माना।

भगवान श्रीराम को समर्पित प्राकट्य पर्व का हुआ शुभारंभ

माही की गूंज, मंदसौर।

रामनवमी के पवित्र अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मंशानुरूप प्रदेश में भगवान श्रीराम को समर्पित ÷प्राकट्य पर्व÷ का शुभारंभ किया गया। ओरछा में लोक निर्माण, कुटीर और ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव और चित्रकूट में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण (स्वतंत्र प्रभार), विमुक्त घुमक्कड़ एवं अर्द्धघुमक्कड़ जनजाति कल्याण विभाग (स्वतंत्र प्रभार) और पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री रामखेलावन पटेल ने सात दिवसीय रामलीला का शुभारंभ किया। मंत्री द्वय ने युवा पीढ़ी से रामकथा और कथा के नैतिक मूल्यों से जुड़ने का आव्हान किया। संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से 10 अप्रैल तक चलने वाली रामलीला में टीवी और सिनेमा जगत के प्रतिष्ठित कलाकार रामायण के पात्रों का अभिनय किया।

ओरछा में विशेष रूप से परिकल्पित लीला प्रस्तुति में प्रकाश एवं ध्वनि की संयुक्तता में संवाद एवं अभिनय संयोजित किये गये। लीला का यह प्रयोग संस्कृति विभाग द्वारा पहली बार किया गया। भगवान श्रीराम का किरदार तमिल फिल्मों के अभिनेता सुनील शर्मा, माता सीता का किरदार टेलीविजन की ख्यात अभिनेत्री सुश्री परिधि शर्मा, लक्ष्मण का किरदार टेलीविजन के अभिनेता और गायक सुमित नागर, हनुमान का किरदार फिल्म अभिनेता विन्दु दारासिंह और रावण का किरदार फिल्म अभिनेता पुनीत इस्सर ने निभाया। मुख्य अभिनेताओं के अलावा लीला में लगभग 75 कलाकारों की भागीदारी रहेगी। सभी कलाकारों की प्रस्तुति ने भगवान श्रीराम और रामायण की लीलाओं को दर्शकों के मन में जीवंत कर दिया। इस अवसर पर संचालक संस्कृति अदिति कुमार त्रिपाठी, निदेशक, जनजातीय लोककला एवं बोली विकास अकादमी डॉ. धर्मेंद्र पारे उपस्थित रहें। चित्रकूट में राघव प्रयाग घाट में श्री श्री शिव कीर्ति कलाकेन्द्र नई दिल्ली द्वारा लीला प्रस्तुति में गणेश वंदना, शिव-पार्वती संवाद, नारद मोह, विश्वमोहिनी स्वयंवर, रावणवेदवती संवाद , श्रीराम जन्म, ताड़का-सूबाहु वध एवं अन्यप्रसंगों का मंचन किया गया। इसके साथ ही भगवान श्रीराम काभक्ति गायन भी किया गया। जन-प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक औरस्थानीय अधिकारियों सहित बड़ीसंख्या में आमजन ने रामलीला का आनंद लिया।

उद्यम क्रांति योजना के शुभारंभ पर हितग्राहियो को ऋण स्वीकृति पत्र का किया वितरण

माही की गूंज, शाजापुर।

प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित हुए समारोह में सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का शुभारंभ किया। समारोह से प्रदेश के सभी जिले जुड़े थे। शाजापुर में कलेक्टर दिनेश जैन के साथ लीड बैंक मैनेजर ललित आचार्य, प्रभारी महाप्रबंधक उद्योग श्रीमती मेघा सुमन सहित हितग्राहीगण मौजूद थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत शाजापुर के राजकुमार गोठी को कृषि सेवा केन्द्र के लिए 15 लाख रूपये एवं बेरछा मंडी निवासी शिवम राठौर को गल्ला व्यापार के लिए 10 लाख रूपये के ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। उल्लेखनीय है कि, इस योजना के तहत इस नई स्वरोजगार योजना में प्रदेश के 12वीं पास एवं 18 से 40 आयु वर्ग के युवाओं को विनिर्माण गतिविधियों के लिये एक से 50 लाख रूपये तक तथा सेवा और व्यवसाय गतिविधियों के लिये एक लाख से 25 लाख रूपये तक की परियोजनाओं के लिये बैंकों से ऋण दिलाया जायेगा। ÷मुख्यमंत्री उद्यम क्रान्ति योजना÷ के हितग्राहियों को शासन द्वारा वित्तीय सहायता के रूप में 3 प्रतिशत प्रतिवर्ष ब्याज अनुदान तथा बैंक ऋण गारंटी शुल्क अधिकतम 7 वर्षों के लिये दिया जाएगा।

प्रभारी मंत्री ने उत्कृष्ट विद्यालय में बहुउद्देशीय भवन का किया लोकार्पण

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले के प्रभारी मंत्री तथा औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग मध्यप्रदेश शासन मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने लाल बहादुर शास्त्री उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंदसौर में एक करोड़ रुपए की लागत से निर्मित बहुउद्देशीय भवन का लोकार्पण किया। इस भवन का उपयोग बहुत बहुउद्देशीय कार्यों के लिए किया जाएगा। यहां पर सांस्कृतिक, क्रीडा, शैक्षणिक सभी प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि, भविष्य की जिम्मेदारी बच्चों पर होती है। महान बनने के लिए किसी उच्च स्कूल की आवश्यकता नहीं है। सामान्य सरकारी स्कूल में पढ़ कर भी महान व्यक्ति बना जा सकता है। सभी

बच्चे अपने लक्ष्य को ध्यान में रखें तथा लक्ष्य के प्रति अडिग रहें। जिज्ञासु हमेशा बने रहे। जितना अपने गुरु से प्रश्न पूछोगे उतना ज्ञान में वृद्धि होगी। सरकार के द्वारा भी विभिन्न प्रकार की योजनाओं का निर्माण किया गया है। जिससे बच्चों का भविष्य बेहतर एवं सुनहरा हो सके। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती प्रियंका मुकेश गिरी गोस्वामी, मंदसौर विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, कलेक्टर गौतम सिंह, पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया, सीओ जिला पंचायत कुमार सत्यम, जिला शिक्षा अधिकारी कारपेंटर, स्कूल के प्राचार्य अशोक रावत, मुकेश काला सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, आम नागरिक एवं पत्रकार मौजूद थे।

करोड़ों की नल जल योजना स्वाहा

माही की गूंज काकनवानी, नरेश पंचाल

नल जल योजना को लेकर भाजपा-कांग्रेस में खींचतान के दौरान बमुश्किल से पाइपलाईन खोदकर पाइप डाले गए, लेकिन आज तक सुचारू रूप से नल-जल योजना चालु नहीं हो पाई जिससे ग्रामीणों में काफी परेशान है।

सरकार ने जगह-जगह करोड़ों रुपए की योजनाएं निकाली, लेकिन किसी भी योजना को आज तक अंजाम नहीं दिया गयां। नल-जल योजना संबंधित विभाग के कर्मचारी, अधिकारी, ठेकेदारों को ठेका देने के पश्चात सिर्फ और सिर्फ अपने कमीशन से मतलब रखते हैं। जिन्हें नल-जल योजना शुरू हो या ना हो कोई लेना-देना नहीं रहता है, इसी प्रकार भ्रष्ट अधिकारी एवं नेता सिर्फ और सिर्फअपनी जेब भरने में लगे हुए है।

ठेकेदार नहीं दे रहे ध्यान

नल-जल योजना के लिए ठेकेदारों ने ठेका तो ले लिया और ठेका लेकर पाइपलाईन भी बिछा दी। लेकिन नल-जल योजना का कहीं से कहीं तक पता नहीं, कई जगह पाइपलाईन फूटी हुई है, लेकिन जिन्हें दुरुस्त नहीं किया जा रहा हैं। पूरे बाजार में करीबन 150 नल कनेक्शन दिए गए हैं जिसमें से बमुश्किल 20 से 30 नलों में ही पानी आ रहा है वह भी सप्ताह में एक या दो बार।

कोई नहीं कर रहा सुनवाई

नल जल सप्लाई को लेकर पंचायत में गुहार लगाने पर वहां पदस्थ कर्मचारी का कहना है कि, यह नल-जल योजना ठेकेदार को दे रखी हैं वही देखरेख करते हैं सारा काम उन्हीं का है। इसमें हमारा कोई लेना-देना नहीं तो दूसरी तरफपीएचई विभाग भी नहीं देख रहा है, जिसके कारण ठेकेदार अपने मनमानी ढंग से कार्य कर रहा है।

पूरा गांव टैंकर पर आश्रित

काकनवानी में बरसों से नल'जल योजना ठप पड़ी है, जो थोड़ी बहुत पुरानी लाईन चलती थी, वह भी नई लाइन डालने के कारण बंद हो चुकी है। ग्रामवासियों को पाइपलाईन डालने पर बड़ी खुशी हो रही थी कि, अब सुचारू रूप से नल-जल योजना शुरू हो जाएगी। लेकिन महज एक सपना ही था बरसों से ग्रामवासी टैंकर से ही पानी डलवाते हैं पूरा बाजार में टैंकर वाले पानी सप्लाई करते हैं जो की कभी-कभी टैंकर से भी पानी की पूर्ति नहीं हो पाती। पूरे गांव में दो से तीन हैंडपंप है जिससे लोग बमुश्किल से अपना पीने का पानी भर पाते है।

हर्षोल्लास से मना रहे नवरात्रि

माही की गूंज,काकनवानी

रोजाना माता जी के अभिषेक, पाठ एवं मंत्र जाप पंडित संजय तिवारी उज्जैन द्वारा करवाए जा रहा है। शनिवार से नवरात्र प्रारंभ होकर 9 अप्रैल शनिवार अष्टमी के रोज शिव मंदिर प्रांगण विराजमान जगत जननी जगदंबे मां का नवचंडी यज्ञ किया जाएगा । चैत्र नवरात्रि उत्सव में शिव मंदिर ट्रस्ट के नवनियुक्त अध्यक्ष नरेंद्र भानपुरिया एवं समस्त पदाधिकारी गण व सदस्य गणों ने ग्राम के समस्त भक्तों से अनुरोध किया है कि, अष्टमी के रोज हवन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर धर्म का लाभ ले।

पंडित कलम किशोर नागर की कथा 17 से 23 अगस्त तक

माही की गूंज ,रायपुरिया/जामली

मालवा के सुप्रसिद्ध संत पण्डित कमल किशोर जी नागर के द्वारा 17 अगस्त से 23 अगस्त भागवत कथा का वाचन ग्राम बेकलदा में किया जाना है। आयोजन को लेकर समिति द्वारा पूरी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। समिति द्वारा बताया गया कि, कथा का वाचन सुबह 8 से शाम 5 बजे तक किया जाना। जिसके लिए समस्त जरूरी विभाग और प्रशासन को अवगत करवा दिया गया है। मालवा के प्रसिद्ध संत नागर जी के मुखारबिंद से कथा श्रवण करने हेतु हजारों लोग पहुच कथा का श्रवण करते है। इससे पहले पेटलावद, जामली और खवासा में भी नागर जी की कथा हो चुकी हैं, जिसमे भारी जन सैलाब उमड़ कर कथा श्रवण करने पहुचा था।

फरार आरोपी को गिरफ्तार करवाने वालो को मिलेगा नगद इनाम

माही की गूंज, बड़वानी।

पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने थाना सिलावद में दर्ज अपराध में नाबालिग युवती का अपहरण करने वाले आरोपी सेमलिया खोदरा निवासी सुरेश पिता हीरालाल भील पर 2 हजार 500 रूपये का इनाम घोषित किया है। यह इनाम उक्त आरोपी का पता देने वाले या इसको गिरफ्तार करवाने वाले को मिलेगा। सूचना देने वाले का नाम सर्वथा गोपनीय रखा जायेगा।

निजी स्कूलों की मनमानी रोकने के लिए सख्त हुआ जिला प्रशासन, जारी किए निर्देश

माही की गूंज, रतलाम।

जिला प्रशासन ने निजी स्कूलों की मनमानी को रोकने, विद्यार्थियों तथा पालकों को शोषण से बचाने के लिए कुछ कड़े निर्णय लिए हैं। जिसके अनुसार अब शैक्षणिक सत्र 2022-23 प्रारंभ होने के एक माह पूर्व बच्चों से ली जाने वाली फीस की अधिसूचना जारी करना आवश्यक होगी। इस अधिसूचना के तहत स्कूल के नोटिस बोर्ड पर फीस का सार्वजनिक प्रदर्शन किया जाना आवश्यक होगा। एडमिशन फॉर्म में कक्षा वार फीस का विवरण देना होगा, जिला शिक्षा अधिकारी को फीस निर्धारण की जानकारी देने के उपरांत एजुकेशन पोर्टल पर भी अपलोड करना होगा। इसके अलावा संस्था द्वारा किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए जो निर्देश जारी किए गए हैं, उसके तहत शैक्षणिक संस्था में शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के पूर्व संस्था में प्रचलित होने वाली पाठ्य पुस्तकों का अनुमोदन पालक शिक्षक संघ से करवा कर उसकी सूची पुस्तकों के मूल्य सहित स्कूल के नोटिस बोर्ड पर चस्पा करना होगी। इसकी एक कॉपी जिला शिक्षा अधिकारी को प्रस्तुत करते हुए इसकी प्रविष्टि एजुकेशन पोर्टल पर भी करना होगी। कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के लिए एनसीईआरटी, मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित पुस्तकों के अलावा अन्य प्रकाशकों मुद्रको द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पुस्तकें नहीं संचालित की जाएंगी।

शैक्षणिक संस्थाओं को निर्देशित किया गया है कि, संस्था में उन्हीं पाठ्यपुस्तकों को प्रचलित किया जाए जो कि बच्चों के लिए शिक्षाप्रद एवं लाभप्रद हो जिनसे बच्चों का शैक्षणिक स्तर उच्च हो तथा बच्चों के बस्तों का बोझ कम हो सके, अनावश्यक पाठ्यपुस्तक को प्रचलित कर बच्चों के बस्तों का बोझ नहीं बढ़ाया जाए। शैक्षणिक संस्था द्वारा विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को पुस्तके कॉपियां यूनिफॉर्म टॉइ जूते,बेल्ट एवं अन्य सामग्री किसी एक दुकान या एक विक्रेता या संस्था विशेष से खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। जिन संस्थाओं के पास बच्चों के लिए वाहन सुविधा उपलब्ध है वो संस्थाएं वाहन परिचालन के संबंध में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रदत्त 18 बिंदुओं के निर्देशों का पालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करेंगी। विद्यार्थियों से कितना शुल्क लिया जा रहा है समस्त बिंदुओं की जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी रतलाम को तत्काल उपलब्ध कराएगी। शाला छोड़ने का प्रमाण पत्र देने के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। आवेदन प्राप्त होते ही तत्काल प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा, प्रमाण पत्र में विद्यार्थी का आधार क्रमांक एवं समग्र आईडी नंबर अनिवार्य अंकित किया जाएगा।

जिला प्रशासन के इस प्रकार की प्रयासों की काफी सराहना की जा रही है अब देखना ये है कि, निजी स्कूलों के संचालक जो कि हमेशा अपनी मनमानी के लिए सुर्खियों में रहते हैं जिला प्रशासन के निर्णय का कितना पालन करते हैं और प्रशासन नियमो का पालन नही करने वाले स्कूलों पर क्या कार्रवाई करते हैं।

जलाभिषेक अभियान के तहत आयोजित हुई बैठक

अनुपस्थित 15 सचिव, सहायक सचिव व दो पीसीओ को जारी किए शोकाज नोटिस

माही की गूंज, बड़वानी।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत प्रदेश में ''पुष्कर धरोहर समृद्धि अभियान'' अंतर्गत पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार का कार्य बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। वही अमृत सरोवर योजना के तहत नवीन तालाब निर्माण की कार्य योजना बनाई जा रही है। यह दोनों योजना पाटी क्षेत्र के लिए अत्यंत कारगर योजना है, इसलिए हमें इन दोनों योजनाओं को जन-जन का आंदोलन बनाना होगा। जिससे हमारे क्षेत्र में भी वर्षभर वर्षा का पानी तालाबों-नदी-नालों-जल संरचनाओं में कल-कल बहता रहे।

उक्त बाते एसडीएम बड़वानी घनश्याम धनगर ने पाटी के आजीविका मिशन के सभागृह कक्ष में आयोजित विकास खंड स्तरीय जलाभिषेक अभियान की बैठक के दौरान कही। बैठक में जनपद पंचायत सीईओ अफसार खान, जनपद पंचायत अध्यक्ष सायना बाई सोलंकी, उपाध्यक्ष देवेंद्र मालवीया, भाजपा मंडल अध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी, संतोष पाटीदार, मनोज डांगी, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष हेमेंद्र भावसार, पांडु सोलंकी, तहसीलदार यशपाल मुजाल्दा, बीईओ राजश्री पंवार, प्रभारी बीआरसी हेमेंद्र मालवीया, निर्माण एजेंसियों के कार्यपालन यंत्री, सरपंच, सचिव व सहायक सचिव उपस्थित थे।

बैठक में उक्त दोनों अभियान को क्षेत्र में बेहतर तरीके से संचालन के लिए विचार-विमर्श कर कई महत्वपूर्ण निर्णय किए गए। एसडीएम श्री धनगर ने बैठक के दौरान बताया कि, पुष्कर धरोहर योजना दो चरणों में सम्पन्न होगी।जिसमें प्रथम चरण 11 अप्रैल से शुरू हो रही हैं। प्रथम चरण में तालाब, स्टाप डेम में भरे गाद को निकालकर जीर्णोद्धार किया जाएगा। गाद को किसान स्वयं वहां से निकालकर खेत में डाल सकता है। वही द्वितीय चरण में नवीन तालाबो का निर्माण किया जाएगा जो कि जून के बाद शुरू होगा।

अनुपस्थित कर्मियों के तीन दिवस के वेतन काटने के दिये निर्देशएसडीएम श्री धनगर ने बैठक में अनुपस्थित रहने वाले 15 सचिव व सहायक सचिव सहित 2 पीसीओ को नोटिस जारी कर तीन दिवस का वेतन काटने के निर्देश सीईओ को दिए। एसडीएम ने सभी ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव व सहायक को निर्देशित किया कि, ग्राम पंचायत स्तर पर भी इस योजना को लेकर बैठक कर उचित सुझाव लेकर कार्य शुरू किया जाये। बैठक के दौरान एसडीएम ने क्षेत्र में चल रही नल जल योजना के कार्यों की गुणवत्ता एवं अधूरे कार्यों की जानकारी, प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालयों में मूंग वितरण की समीक्षा कर बीआरसी व बीईओ को आवश्यक निर्देश दिये। बैठक के दौरान बताया गया कि, वनाधिकार पट्टेधारियों को भी किसान सम्मान निधि का लाभ दिया जाना है इसको लेकर आवश्यक मैदानी अमले को किसानों से आवश्यक दस्तावेज लेकर योजना का लाभ दिलाया जाये, जिससे दूर दराज के रहवासी भी इस योजना से लाभान्वित हो सके। बैठक के दौरान जनपद पंचायत सीईओ अफसार खान ने उपस्थितों को बताया कि, गर्मी में पेयजल समस्या को लेकर जनपद पंचायत कार्यालय पाटी में शिकायत रजिस्टर रखा है, कोई भी व्यक्ति पानी की समस्याओं को लेकर शिकायत रजिस्टर में शिकायत दर्ज कर सकता है। इस प्रकार प्राप्त शिकायतों का निवारण भी त्वरित रूप से कराया जायेगा।

मेरी पॉलिसी मेरे हाथ अभियान के तहत किसानों को वितरित की पॉलिसी

माही की गूंज, बड़वानी।

फसल बीमा पॉलिसी वितरण कार्यक्रम के तहत कृषि विभाग द्वारा किसानों के घर-घर जाकर फसल बीमा की पॉलिसी देने का कार्य चल रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा पालिसी का उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली फसल की क्षति से पीड़ित किसानों को वित्तीय राहत प्रदान की जा सके। इस योजना के तहत पाटी के एक हजार 84 किसानों का फसल बीमा कंपनी द्वारा पॉलिसी की गई है। जिसमें से पूर्व में 347 किसानों के घर जाकर कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा पॉलिसी वितरित की गई। वही 43 किसानों को पॉलिसी वितरित की गई। इस दौरान वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एमआई खान, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी मोहन पटेल, सुनील मुजाल्दे, प्रेमसिंह डुडवे, आनन्दसिंग मुजाल्दे भी उपस्थित थे।

गायत्री परिवार आयोजित करेगा नशा मुक्ति कार्यक्रम

माही की गूंज, बड़वानी। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में 13 से 15 अप्रैल तक सालीटांडा में 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ संस्कार महोत्सव एवं नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में 24 ग्रामो के गायत्री परिवार व जिले के वरिष्ठजनों को आमंत्रित किया गया है। बुधवार को सालीटांडा महायज्ञ आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा से भी मुलाकात कर इस कार्यक्रम में उपस्थिति का अनुरोध किया है। जिससे नशा छोड़ चुके एवं नशा छोड़ने के इच्छुक लोगों को उनके उपदेशों हेतु और बेहतर तरीके से प्रोत्साहित किया जा सके।

गणगौर माता का हुआ भंडारा

माही की गूंज, खरगोन।

जिले के बमनाला मे चालीस वर्षों से चली परमपरा अनुसार गणगौर माता का भंडार आयोजित किया जाता आ रहा है। विगत दो वर्षो से कोरोना संक्रमण के कारण उक्त भंडार आयोजित नहीं हो पा रहा था। इसी तरतमत में आज गणगौर माता का भंडारा आयोजित किया गया। भंडारा आयोजन परपरागत विधी विधान से दस माता गणगौर की पूजा के साथ शुरू हुआ। ग्राम के पुर्व सरपंच भगवान सिह गिन्नारे व उनके बडे लडके गोलु गिन्नारे, पंडित देवदास सोहनी ने विधि विधान से यज्ञ किया। वही महंत श्री हरनाम दास मेल आश्रम के संत व महाराज ओम नारायण सिह बजरंग मन्दिर में पूजा की। भंडारे में बडी संख्या मे ब्राह्मणों को दान दक्षिणा दी गई। भंडारे मे आस-पास के क्षेत्र से हजारों की सख्या मे महीलाओं, पुरुषों, बच्चों व सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों ने भोजन प्रसादी गृहण की। भंडारे में करीब 150 रथ भी शामिल हुए।

सेंव द चिल्ड्रन संस्था ने 13 स्कूलों के लिए 400 टेबल-बेंच 78 आंगनवाड़ी के लिए दिया वाटर फिल्टर

माही की गूंज, बड़वानी।

सेव द चिल्ड्रन संस्था ने जिले के 13 स्कूलो के लिये 400 टेबल-बेंच एवं स्कूली बेग तथा 78 आंगनवाड़ियो के लिये वाटर फिल्टर तथा 100 स्कूलो को बाल केबिनेट किट भेंट किया है। कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने इस कार्य के लिये संस्था की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुये विश्वास व्यक्त किया कि इससे अन्य संस्थाऐं भी प्रोत्साहित होगी।

सेव द चिल्ड्रन संस्था के परियोजना प्रबंधक रघुनंदन शर्मा से प्राप्त जानकारी अनुसार मंगलवार को उक्त संसाधन, कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत कर संबंधित संस्थाओं के लिये रवाना किये गये है। संसाधन से लदे वाहनो को कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा, एसडीएम बड़वानी घनश्याम धनगर, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी आरएस गुण्डिया, सहायक संचालक अजय गुप्ता के द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया है। श्री शर्मा ने बताया कि, उक्त संसाधन विकासखण्ड बड़वानी एवं सेंधवा को अपना कार्य क्षेत्र बनाकर यहॉ के

सेंधवा एवं बड़वानी के चयनित स्कूलो एवं आंगनवाड़ियो को दिये जायेंगे। जिससे उक्त संस्थाओं के विद्यार्थियो, बच्चो को मिलने वाली सुविधाऐं और बेहतर बन सके ।

ज्ञातव्य है कि, सेव द चिल्ड्रन संस्था ने विकासखण्ड बड़वानी एवं सेंधवा को अपना कार्य क्षेत्र बनाकर यहॉ के स्कूलों-आंगनवाड़ियो को साधन सम्पन्न बनाकर वहॉ उपलब्ध सुविधाओं को और चॉक-चैबंद बनाने का प्रयास प्रारंभ किया है। जिसके कारण इन दोनो विकासखण्ड के कई स्कूल और आंगनवाड़ी की सुविधाऐं आज सर्वश्रेष्ठ हो गई है। इसका प्रभाव संस्था में आने वाले विद्यार्थियो, लाभान्वितों की नियमित उपस्थिति के रूप में सामने आ रहा है। इस अवसर पर सेव द चिल्ड्रन संस्था के परियोजना प्रबंधक रघुनंदन शर्मा, परियोजना समन्वयक मनीष गुप्ता, सुश्री हर्षलता चैहान, सुश्री श्रुति दुबे, सुश्री अंजली मेहता भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना और ई श्रम योजना की दी जानकारी

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने श्रम विभाग एवं अन्य मैदानी अमले को प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना और ई श्रम योजना के तहत अधिक से अधिक पात्रताधारियों के पंजीयन एवं उक्त योजनाओं के प्रति जागरूकता प्रयास हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। उक्त निर्देशो के परिपालन में श्रम विभाग अमले ने विभिन्न निर्माण स्थलों पर पहुंचकर कार्यरत श्रमिकों को उक्त योजनाओं की जानकारी देते हुए उक्त योजनाओं का लाभ लेने की बात समझाई। मैदानी अमले के प्रयासों से कई पात्रताधारियों ने योजनाओं के तहत पंजीयन कराया। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के पात्रताधारियों से उक्त योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया है।

लू के थपेड़ों से झूलस रहा संपूर्ण क्षेत्र, गर्मी अभी से दिखा रही अपना विकराल रुप

माही की गूंज, आम्बुआ।

मार्च माह के अंतिम सप्ताह से हल्की गर्मी का मौसम शुरू होने लगता है तथा मई-जून में भयंकर गर्मी पड़ती है। मगर इस बार मार्च का अंत तथा अप्रैल का शुभारंभ ही भीषण गर्मी लेकर आया जिससे सभी परेशान दिखाई दे रहे हैं। होली के बाद हल्की गर्मी दिन में तथा सुबह एवं राते ठंडी होती रही है। अप्रैल माह के द्वितीय पखवाड़े में कुछ तेज गर्मी का एहसास होता था तथा अप्रैल के अंतिम सप्ताह से जून के अंतिम सप्ताह तक यदि बारिश नहीं हुई तो तेज गर्मी तथा लू का प्रकोप रहता था। मगर इस बार मार्च के अंतिम सप्ताह से तेज गर्मी लगने लगी तथा अप्रैल के प्रथम सप्ताह में लू चलने लगी है। गर्मी के कारण क्षेत्र का हाल बेहाल है। दिन में घरों से निकलना मुश्किल हो रहा है। लू के तेज थपेड़े शरीर को जलाने में सक्षम दिखाई पड़ रहे हैं। इस समय क्षेत्र में दिन का तापमान 41 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है जो कि आगामी दिनों में तापमान का पारा और अधिक बढ़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

इस गर्मी से जहां मनुष्य परेशान है वही पशु पक्षियों की भी शामत आई हुई है। वर्तमान में बोहरा तथा मुस्लिम समाज का पवित्र महीना रमजान भी प्रारंभ हो गया है। जिसमें रोजेदार बगैर कुछ खाए-पिए रोजे रखते हैं। इतनी भीषण गर्मी में शरीर में पानी नहीं जाना बहुत बड़ी परेशानी खड़ी कर सकता है, इसके बावजूद रोजेदार रोजे रखकर खुदा की इबादत कर रहे हैं। विगत लगभग तीन वर्षो से रमजान का महीना भीषण गर्मी में आ रहा है जिसमें रोजेदारों की कठिन परीक्षा हो जाती है। अधिकांश रोजा रखने वाले घरों में कूलर, पंखे तथा एयर कंडीशनर में रहकर खुदा की इबादत कर रहे हैं। मगर जो गरीब है साधन संपन्न नहीं है वे भीषण गर्मी में भी रोजे रखकर कठिन इम्तिहान दे रहे हैं। भीषण गर्मी के कारण बाजारों में कर्फ्यू की स्थिति दिखाई दे रही है, बाजार तथा बस स्टैंड पर सन्नाटा पसरा नजर आता है।

मौसमी फलों की सजी दुकानें, भाव आसमान पर आम नागरिकों की पहुंच से दूर

माही की गूंज, आम्बुआ।

सर्दी के मौसम की समाप्ति के बाद जैसे ही ग्रीष्म ऋतु का आगमन हुआ, मौसमी फलों की मांग भी बढ़ने लगी। खरबूजा, तरबूज, ककड़ी तथा अंगूर, संतरे की दुकानें सजने लगी है। जिन पर महंगाई की मार भी दिखाई दे रही है और आम उपभोक्ता के लिए अंगूर खट्टे साबित हो रहे हैं। शहर हो या कस्बा या छोटे-छोटे ग्रामीण क्षेत्र सभी में ग्रीष्म ऋतु में आने वाले फलों की मांग बढ़ जाती है।

विशेषकर ऐसे फल जिनसे शरीर में पानी की मात्रा की पूर्ति होती है। इन फलों में खरबूजा, तरबूज, ककड़ी तथा अंगूर, संतरा, पाइनापल आदि होते हैं। वर्तमान में यह सभी फल इतने महंगे हैं कि एक गरीब व्यक्ति इनका भाव पूछ कर ही ललचाई नजर से देखता हुआ मन मसोसकर चल देता है। इन फलों को या तो अधिक अमीर लोग खरीदते हैं या फिर थोड़ी बहुत मात्रा में मध्यवर्गीय परिवार व नौकरी करने वाले आदि खरीदते हैं। कभी खरबूजा तथा तरबूज, ककड़ी आम लोगों का फल हुआ करता था वह भी अब इनसे दूर हो रहा है। यदि इन्हें यह मिल भी जाते हैं तो वह भी कई दिनों से पढ़े बिना बिके खराब किस्म के होते हैं, जिनसे सेहत ठीक होने की बजाए बीमार होने के अधिक आसार होते हैं। बढ़ती महंगाई ने सभी की कमर तोड़ कर रख दी है आम लोग अपनी सेहत कैसे ठीक रखें यह प्रश्न खड़ा है।

लिस्टेड गुण्डे का अवैध अतिक्रमण किया जमींदोज

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जोबट थाना के लिस्टेड गुंडा बदमाश भू-माफिया दिनेश पिता शंकर लाल राठौर निवासी शिव मार्ग जोबट निवासी के अवैध निर्माण पर जोबट में प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर जमींदोज करने की कारवाई की। जोबट थाने का लिस्टेड गुंडा बदमाश भू-माफिया दिनेश पिता शंकर लाल राठौर ने कई वर्षो से शासकीय कुएं के पास जमीन पर अतिक्रमण कर अवैध निमार्ण किया हुआ था। जिस पर नगर पालिका, राजस्व, पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा संयुक्त कार्रवाई कर अतिक्रमण हटवाया गया। आरोपी दिनेश के विरूद्ध 14 अपराध पूर्व से ही पंजीबद्ध हैं।

धूमधाम से मनाया गया गणगौर पर्व, श्रद्धा के साथ किया माता का विसर्जन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

श्री सगरवंशिय माली समाज द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी चैत्र नवरात्रि पर गणगौर पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। दो वर्षो से कोरोना के चलते समाज द्वारा गणगौर पर्व को निरस्त कर रहे थे लेकिन इस वर्ष कोरोना नही होने से गणगौर पर्व पर घरों-घरों पर गणगौर माता के रथ की पूजा अर्चना कर दूध, पूजन सामग्री व पुष्प अर्पित महिलाओं ने अपने सुहाग की लंबी उम्र की कामना की। राष्ट्रीय पुले ब्रिगेड मीडिया प्रभारी संजय गेहलोद ने बताया कि, नवरात्री के तीज के दिन सुबह से माता की वाड़ी की समस्त हिन्दू समाज की महिला व पुरुषो ने बड़ी संख्या माली समाज धर्मशाला में माता के जवारों के वाड़ी की पूजा अर्चना की। शाम को माता के रथ की ढोल-ढमाकों के साथ शोभायात्रा निकाली जिसमे समाज की महिलाएं पुरुष सज धज कर शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभयात्रा निम चौक से होते हुए राजवाड़ा पहुंची, यहां वर्षो से चली आ रही परम्परा अनुसार माता के रथ को महल के सामने रोका जाता है। जहाँ पर गणगौर माता के रथ की पूजा अर्चना की जाती है। तत्पश्चात राजवाड़ा से पुनः शोभायात्रा दिनेश माली के यहाँ पर माता के रथ को एक दिन रोका गया बुधवार होने के कारण माता को विदाई नही दी जाती है इस लिए माता को विदाई गुरुवार की रात को फिर से दिनेश माली के घर से शोभायात्रा निकाली जाएगी। निम चौक हाटगली होते हुए जनपद पंचायत में बड़ी माता के मंदिर पर विदाई दी जाएगी।

जिला स्तरीय कायर्क्रम में उद्यम क्रांति योजना के हितग्राहियों को प्रदान किए स्वीकृति पत्र

माही की गूंज, अलीराजपुर।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का आज मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चैहान ने भोपाल स्थित मिन्टों हॉल से शुभारंभ किया। उन्होंने उक्त योजना की मागर्दार्किा का विमोचन भी किया। कायर्क्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री चैहान ने कहा, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना युवाओं को अपने सपनों को उंची उढाने प्रदान करेगी। प्रदेश में युवाओं को शासकीय नौकरियों प्रायवेट सेक्टर में नौकरियों हेतु अवसर प्रदान किए जा रहे है। प्रदेश में प्रति माह रोजगार दिवस के कायर्क्रम आयोजित करके बडी संख्या में युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किये जा रहे है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के माध्यम से युवा अपना रोजगार स्थापित करते हुए अन्य को रोजगार प्रदान करें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रदो सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया मन में विचार आए तो उसे क्रियाशील रखते हुए आगे बडे और आत्मनिर्भर बनें। मुख्यमंत्री श्री चैहान ने कई जिलों के युवाओं से वर्चुअली संवाद भी किया। अलीराजपुर में उक्त कायर्क्रम को कलेक्टोरेट स्थित आडिटोरियम में वर्चुअली देखा और सुना गया। जिला स्तरीय कायर्क्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता चौहान, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, विधायक प्रतिनिधि खुशीर्द अली दीवान उपस्थित हुए। कायर्क्रम में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चैहान कलेक्टर श्री सिंह ने युवाओं से उक्त योजना का लाभ लेकर अपना रोजगार स्थापित करते हुए अन्य को रोजगार प्रदान करने की सकारात्मक पहल का आह्वान किया। कायर्क्रम में जीएमडीआईसी कवछे व सोलंकी सहित उद्योग एवं व्यापार केन्द्र के अधिकारी-कमर्चारीगण एवं योजना से जुडे युवा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों के निराकरण की अधिकारी करें चिंता- कलेक्टर श्री जैन

माही की गूंज, शाजापुर।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों के निराकरण की चिंता अधिकारीगण करें। शिकायतों के निराकरण की राज्य स्तर पर मॉनीटरिंग होती है। उक्त निर्देश कलेक्टर दिनेश जैन ने समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को दिये। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती मिशा सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती मंजूषा विक्रांत राय, अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती शैली कनाश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री जैन ने विभिन्न विभागों को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के तहत प्राप्त शिकायतों में से 12 शिकायतों की समीक्षा भी की और संबंधित विभागों को कार्यवाही करने के निर्देश दिये। समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये कि सरकारी भूमि पर अवैधानिक रूप से कब्जा करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए कब्जा हटवाएं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कार्यपालन यंत्री विजयसिंह चौहान ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए ग्रामों में उत्पन्न जल संकट से निपटने के लिए कन्ट्रोल रूम बनाएं तथा जल संकट की शिकायत आने पर त्वरित निराकरण करें। दीनदयाल रसौई योजना के तहत लोगों को भोजन कराने के लिए दिये जा रहे खाद्यान्न की जॉच करने के निर्देश कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी को दिये। साथ ही कलेक्टर ने कहा कि वर्तमान में जितने लोग इस योजना के तहत भोजन कर रहे हैं उसी अनुपात से खाद्यान्न प्रदाय किया जाये। मनरेगा के तहत विद्यालयों में निर्मित होने वाली ÷माँ की बगिया÷ वाटिका के निर्माण की कार्रवाई जिला शिक्षा केन्द्र डीपीसी पूरी करवाएं। कलेक्टर ने कहा कि, जिले में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 70 हजार पेंशन हितग्राही हैं, जिन्हें पोस्टमैन के माध्यम से पेंशन प्रदान किया जाना है। वर्तमान में केवल 10 हजार लोगों को पोस्टमैन के माध्यम से पेंशन वितरण हो रहा है, कलेक्टर ने पोस्टमैन के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरण के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि नए लक्ष्य आने तक पिछले वर्ष के लक्ष्य के अनुसार ही योजनाओं का क्रियान्वयन शुरू करें। योजनाओं का क्रियान्वयन अभी से करेंगे तब शतप्रतिशत लक्ष्य प्राप्त होगा। 12 से 14 वर्ष तक के बच्चों के टीकाकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सीएमएचओ डॉ. आर निदारिया को निर्देश दिये कि शिक्षा विभाग से बच्चों की उपस्थिति के आधार पर ही टीकाकरण के लिए साईट का निर्धारण करें। सभी कार्यालय प्रमुख अधिनस्थ स्टाफ की सीआर लिखें। सीआर को प्रताड़ित करने का जरिया नहीं बनाएं। अधिनस्थों के कार्यों के आधार पर सीआर लिखना चाहिये।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीओ श्रीमती मिशा सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि सीएम डेशबोर्ड पर जानकारियां अंकित करें। इस अवसर पर उपसंचालक कृषि श्री केएस यादव ने समस्त ग्रामों में समग्र कृषि विकास प्लान (सी-डेप) के संबंध में अवगत कराते हुए अधिकारियों से पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने का अनुरोध किया।

रमजान माह में छोटे बच्चे कर रहे अल्लाह की इबादत

माही की गूंज, अलीराजपुर।

नगर की 7 वर्ष की बच्ची आयशा मंसुरी वालिद इरशाद मंसुरी ने भीषण गर्मी में पहला रोजा रखा। छोटी बच्ची के रोजा रखने से परिवार प्रसन्नता हैं। रमजान के पवित्र माह में मुस्लिम समाजजन पूरे तन मन धन से इबादत में लगे हुए हैं। इस समय भीषण गर्मी में रोजा होने से 14 घंटे का रोजा मुस्लिम समाज द्वारा रखा जा रहा हैं। गर्मी भी रोजेदारो के हौसलों के आगे हार गई हैं। रमजान के रोजेदार पूरी शिद्दत के साथ भीषण गर्मी में रोजा रखकर अपने परवरदिगार को खुश करने में लगे हुए हैं। इसी कड़ी में छोटे बच्चे 14 घंटे का भीषण गर्मी में रोजा रखकर अपने परवरदिगार को अपनी इबादत पेश कर रहे है। पहला रोजा होने के कारण छोटे बच्चों ने भी शौक से इसका एहतमाम किया। घर में बच्चे बड़े और बुजुर्ग सभी के रोजा रखने और इबादत करने से माहौल नूरानी हो उठा। शाम में जब इफ्तार के दस्तरख्वान पर सभी एक साथ बैठ कर दुआ करते हुए अल्लाह से सबकी खुशी, चैन, तरक्की, अपने देश-दुनिया और अपने मुल्क में अमनो-अमान व सलामती की दुआ।

लाड़ली लक्ष्मी योजना को देश के विभिन्न राज्यों ने अपनाया: डॉ. पांडे

माही की गूंज, रतलाम।

नगर में महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को प्रमाण पत्रों का वितरण विधायक डॉ. राजेन्द्र पांडे की उपस्थिति में किया गया। मांगलिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में नगर की 18 आंगनवाड़ियों को समाजसेवियों को गोद दिया गया। इन सभी आंगनवाड़ियों में आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया गया। विधायक डॉ. पांडे ने प्रत्येक आंगनवाड़ी को 10 हजार रूपए स्वेच्छानुदान राशि तथा 11 हजार रूपए परिवार की ओर से प्रदान की।

कार्यक्रम की शुरूआत में कन्या पूजन के साथ हुई। स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम की रूपरेखा परियोजना अधिकारी प्रेमलता माकल ने प्रस्तुत की। लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत सिद्धि शर्मा, पूनम-मनीष व कायरा सुरेश, प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना पल्लवी जैन, हेमलता शर्मा, स्वास्थ्य बालक-बालिका प्रतियोगिता में अनिल, मयूर, भव्य, खुशी, अयांशी, ज्योति, लाड़ली लक्ष्मी छात्रवृत्ति योजना के तहत नैना, प्राची बोस, लक्ष्मी, तनु, सृष्टि बोहरा, तनिषा, पायल, दीपिका को 2-2 हजार रूपए खाते में प्रदान कर प्रमाण पत्र दिए गए। नवजात बालिका रूद्रांशी, समृद्धि, योगेश्वरी तथा ममता को स्वागतम लक्ष्मी

किट प्रदान की गई। पोषण मटकों में सभी अतिथियों ने अन्न तथा फलों का दान किया।

समाजसेवी शैलेन्द्र कटारिया ने सभी 18 आंगनवाड़ियों की 20-20 बालिकाओं को टिफीन तथा बॉटल व नगर भाजपाध्यक्ष मुकेश मोगरा ने दिवाल घड़ी तथा खेल सामग्री प्रदान की। विभिन्न वार्डो में एजाजुद्दीन शेख, महेश बोहरा, नारायण धनगर, रोमेश जैन, संजयपुरी गोस्वामी, पंकज जैन, प्रहलाद चौहान, राजेन्द्रसिंह गुडरखेड़ा ने पानी की टंकी, डस्टबीन,दरी, ड्राइंग बुक, राउण्ड टेबल कुर्सी आदि आवश्यक सामग्री प्रदान की। दानदाताओं तथा अतिथियों का स्वागत प्रेरणा चौहान, भारती चौहान, इरफना बी, प्रेमलता जाट,शकुन्तला ग्वाला, ऋतु भाटी, गोदावरी बलसोरा, रूकमण बोस, रेखा पाठक आदि ने किया। विधायक डॉ.राजेन्द्र पांडे ने बालिकाओं के जन्म से लेकर विवाह तक की शासन की योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि, लाड़ली लक्ष्मी योजना को देश के विभिन्न राज्यों में अपनाया गया है, इस योजना के बाद से बालिकाओं की मृत्युदर में कमी आई है। शासन लगातार महिलाओं एवं बालिकाओं के जीवन की सुरक्षा तथा उन्हें सुपोषित व मजबूत बनाने के लिए प्रयास कर रही है। कार्यक्रम में राजेन्द्रसिंह गुडरखेड़ा, मुकेश मोगरा, अतुल गौड़ तथा प्रफुल्ल जैन ने भी शासन की योजनाओं में महिलाओं एवं बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण से मजबूत जीवन की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में दिनेश पाटीदार, अशोक निनामा, प्रकाश जायसवाल, देराश्री, देवेन्द्र शर्मा, रवि वोरा, मनमोहनसिंह राणा, प्रहलाद चौहान आदि उपस्थित थे। संचालन संजय भट्ट ने किया तथा आभार कंचन तिवारी ने माना।

आखिर यह कैसा शिक्षा का स्तर... ? क्या फर्जी मूल्यांकन व आंकड़ों के आधार पर ही उच्च शिक्षा के शिखर पर पहुंचेंगी सरकार... ?

हाई व हाई सेकेंडरी के बच्चों को करवाई गई नकल तो पलायन पर गए बच्चों के स्थान पर फर्जी रुप से अन्य बच्चों से दिलाई जा रही परीक्षाएं

शिक्षको द्वारा अपने आकड़े पूर्ति के लिए इन 4 थी कक्षा के बच्चो से अपराध करवा कर 5 वी कक्षा का प्रश्न पत्र करवाया हल ...

माही की गूंज, संजय भटेवरा।

कोविड-19 संक्रमण के कारण गत 2 वर्षों तक सरकार ने बच्चों का मूल्यांकन नहीं किया और उन्हें कक्षोन्नत कर दिया गया। हालांकि सरकार का दावा था कि, भले ही कक्षाएं नहीं लगी हो लेकिन ऑनलाइन पढ़ाई जारी रखी गई और हमारा घर हमारा विद्यालय योजना अंतर्गत बच्चों को घर पर ही पाठ्य सामग्री दी गई और निरीक्षण तथा मूल्यांकन किया गया।

खैर, सरकार का यह दावा हकीकत में कितना कारगर साबित हुआ होगा यह तो अतीत की बात है लेकिन वर्तमान शिक्षण सत्र में कक्षाएं संचालित की गई थी इसलिए न केवल कक्षा नौ वीं से 12 वीं वरन कक्षा पहली से आठवीं तक के बच्चों की भी परीक्षा ली जा रही है।

कक्षा 10वीं व 12वीं परीक्षाएं संपन्न हो चुकी है लेकिन परीक्षा में परीक्षा नाम की कोई चीज नहीं हुई, मतलब जिले की सभी स्कूलों में भले ही केंद्राध्यक्ष अन्य संस्थाओं द्वारा भेजे गए थे लेकिन फिर भी लगभग सभी जगह पर वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को हल करवाया गया, सभी केंद्राध्यक्षो को इसके लिए ÷ऑफ द रिकॉर्ड÷ निर्देश ऊपर से दिए गए थे। परीक्षा के बाद बच्चे चौराहे पर तक चर्चा करते पाए गए कि उन्हें वस्तुनिष्ठ प्रश्न बतला दिए गए थे। रुक जाना नहीं, बेस्ट फाइव जैसी योजना के बावजूद शिक्षा का स्तर अच्छा दिखलाने के लिए महज आंकड़ों की बाजीगरी की जा रही है वास्तविक स्थिति कुछ और ही है। ये तो हाई स्कूल और हाई सेकेंडरी की बात है जहां बच्चे उपस्थित तो हो रहे हैं और उन्हें परीक्षा में रिजल्ट सुधारने के नाम पर वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर बतलाए जा रहे हैं। कक्षा पांचवी और आठवीं के बच्चों की स्थिति तो और

कक्ष क्रमांक 1 में जहा 5 विद्यार्थी कक्षा 4थी के 5 वी कक्षा का प्रश्न पत्र कर रहे थे हल

परिक्षा केन्द्र पर पहुचे बीईओ अहिरवार

ज्यादा खराब है वर्तमान में जिले में कामकाज न होने के कारण प्रत्येक गांवों में लोग कामकाज की तलाश में सूरत, कोटा, महाराष्ट्र और राजस्थान के शहरों में पलायन पर है। ऐसी स्थिति में माता-पिता के साथ शालाओं में पढ़ने वाले बच्चे भी पलायन पर जा रहे हैं। एक तरफगांवो में बच्चे नहीं मिल रहे है, वही पांचवी और आठवीं की वार्षिक परीक्षा चल रही है, जिसे शासन ने मूल्यांकन नाम दिया है। अब शिक्षकों पर दबाव है कि शत-प्रतिशत बच्चे मूल्यांकन में शामिल हो... अब शिक्षक क्या करें....?

ऐसे में कई शालाओं में मूल्यांकन के नाम पर फर्जीवाड़ा किया जा रहा है, और आंकड़ों की बाजीगरी दिखाई जा रही है इन्हीं आंकड़ों के बलबूते सरकार अपनी पीठ थपथपा लेगी लेकिन वास्तव में ये उस बच्चे के साथ अन्याय है जो मजदूरी करने के लिए अपने माता-पिता के साथ बाहर गया है और यहां उसके नाम पर फर्जी मूल्यांकन किया जा रहा है व मूल्यांकन के बाद वह अगले वर्ष अगली कक्षा में पहुंच जाएगा जबकि उसे कुछ आता ही नहीं है।

सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सरकारी नुमाइंदो की होती है लेकिन शिक्षक देश के भविष्य का निर्माता है, अगर शिक्षक कुछ गलत करने को मजबूर होता है तो कहीं न कहीं शासन स्तर की नीतियां भी इसमें जिम्मेदार है।

क्या फर्जी आंकड़ों के आधार पर ही सरकार उच्च शिक्षा देने की बात कह कर थपथपाएगी अपनी पीठ

ये कैसी सरकार की शिक्षा व्यवस्था है कि, सिर्फफर्जी मूल्यांकन व आंकड़ों के साथ शिक्षा के स्तर को बढ़ाने की बजाए अपनी घटिया नीचता दिखाकर शिक्षा को असल में गर्त में ले जाने का प्रयास किया जा रहा हैं। इतना ही नहीं जहां देश के भविष्य बच्चे को अनुपस्थित बच्चों के स्थान पर अन्य बच्चों से फर्जी रूप से परीक्षा दिलवाकर उसे अपराधी बनाकर झूठ, फरेब व चार सौ बीसी करने की तालीम दी जा रही है। तो वही देश के भविष्य के रचयिता शिक्षक अपने आंकड़ों को पूरा करने के लिए एक तरफनकल करवा रहे हैं, तो दूसरी तरफ छोटे मासूम बच्चे को अपराधी बनाकर अपनी शिक्षकिय पद की गरिमा को कलंकित कर रहे है।

झाबुआ जिले के अंतिम छोर पर खवासा क्षेत्र की कुकड़ीपाड़ा संकुल क्षेत्र के तलावडा में एक ऐसा मामला सामने आया कि, स्थानीय प्रशासन के साथ सरकार तक की कारस्तानी सामने उजागर हो रही है। अन्य पत्रकार के साथ गूंज प्रतिनिधि को भी जानकारी मिली कि, ग्राम तलावड़ा की मिडिल स्कूल में आयोजित हो रही पांचवी और आठवीं की परीक्षा में जो बच्चे पलायन पर गए हैं उसमें कुछ अन्य छोटी कक्षा के बच्चों से फर्जी रूप से परीक्षा दिलाई जा रही है। मौके पर साथी पत्रकार के साथ गूंज प्रतिनिधि तलावड़ा स्कूल पहुंचे, तो यहां प्राथमिक शाला के विद्यार्थी तीन कक्षो में 119 कूल विद्यार्थी में से 61 विद्यार्थी परीक्षा दे रहे थे। वही आठवीं कक्षा में कुल 67 विद्यार्थियों में से 30 विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित थे। प्रधानाध्यापक के से पूछताछ में मामला सामने आया कि, बबलू नगजी मोवडीपाड़ा स्कूल रोल नंबर 137596276 के स्थान पर फर्जी रूप से कक्षा चौथी का छात्र महेश कटारा परीक्षा देते पाया गया। इसी तरह दीपक पिता माना जाति माल मालासात स्कुल रोल नंबर 130627822 के स्थान पर कक्षा चौथी का छात्र ज्ञानू पिता रूपसिंह माल। आशु मालासात स्कूल की छात्रा रोल नंबर 130376655 के स्थान पर फर्जी मोनिका पिता हुकला कक्षा चौथी की छात्रा। अज्जू पिता धनसिंह गढ़ी फलिया स्कूल रोल नंबर 140160675 के स्थान पर उसका ही छोटा भाई कक्षा चौथी का छात्र अजय व एत्री शंबुडा मोवड़ीपाडा स्कूल की छात्रा रोल नंबर 137232431 के स्थान पर फर्जी रूप से कक्षा चौथी का छात्र सेवा प्रभु परीक्षा कक्ष में परीक्षा देते पाया गए। जिनसे पूछने पर सभी फर्जी रूप से 5 बच्चे परीक्षा दे रहे थे ने माही की गूंज प्रतिनिधि को बताया कि, उन्हें परीक्षा दिलाने के लिए संस्था के प्रभारी शिक्षक लेकर आए थे। जिसमें मोवडीपाड़ा का प्रभारी शिक्षक रामलाल मैंडा, मालासात शाला प्रभारी प्रभु डामर व गढी फलिया प्रभारी बाबू कटारा लेकर आए थे।

वहीं उक्त केंद्र पर सादेड़ा, तलावड़ा व केसरपुरा प्राथमिक शाला के छात्र भी परीक्षा दे रहे थे। जहां सादेड़ा प्राथमिक शाला प्रभारी मनीष भट्ट और तलावड़ा शाला प्रभारी व सहायक केंद्राध्यक्ष कैलाशचंद्र कहार भी ड्यूटी पर उपस्थित थे। साथ ही प्रधानाध्यापक सुरेंद्रसिंह मैड़ा व केंद्राध्यक्ष जवरसिंह कटारा जिनकी करीब 20 दिन बाद रिटायरमेंट होना है, परंतु यह सारा फर्जीवाड़ा खेल इनकी उपस्थिती में ही हुआ।

मामले में थांदला बीईओ प्रेमनारायण अहिरवार की बात माही की गूंज प्रतिनिधि से हुई तो, उन्होंने फोन पर बताया, मैं क्षेत्र में ही सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर रहा हु , थोड़ी देर में तलवाड़ा पहुंचता हूं। बीईओ अहिरवार के साथ थांदला बीआरसी अंतरसिंह रावत व चंद्रप्रकाश त्रिपाठी परीक्षा केंद्र मिडिल स्कूल तलावड़ा पहुंचे और फर्जी यानी अन्य चौथी कक्षा के छात्रों से पांचवीं कक्षा के अनुपस्थित बच्चों की परीक्षा देते पाए जाने पर पांचो परीक्षा कॉपी जप्त कर थांदला बीईओ कार्यालय ले जाया गया। फिलहाल बताया जा रहा है बीईओ कार्यालय से संबंधित शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया है और कार्यालय में चर्चा चलती रही की, माही की गूंज में क्या-क्या खुलासा गुरुवार को होता है उसके बाद ही वरिष्ठ कार्यालय को सूचना के साथ मामले में पुख्ता कार्रवाई की जाएगी। अब देखना यह है कि, प्रेमनारायण अपनी ड्यूटी किस प्रेम की ओर जाकर करते है...?

एक तरफसरकार द्वारा शत-प्रतिशत उपस्थिति का दबाव बनाया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ पलायन का मुद्दा सरकार की नजरों में नहीं है। आजादी के बाद से हुए सभी चुनावों में पलायन का मुद्दा रहा लेकिन आश्चर्य की बात यह है की पलायन कम नहीं हो रहा है बल्कि तेजी से बढ़ रहा हैं। सरकार को चाहिए कि इस पर भी गंभीरता से विचार करें और शिक्षा को आंकड़े का खेल न बनाएं शिक्षा को शिक्षा ही रहने दिया जाए।

बढ़ती महंगाई और भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस ने सरकार के विरुद्ध किया प्रर्दशन

पेट्रोल-डीजल, गैस सहित अन्य वस्तुओं के बढ़ते दाम ने आम व्यक्ति की कमर तोड़ी

खेल सामग्री में हुए भ्रष्टाचार में शामिल भाजपा नेताओं और अधिकारियों को बचा रहा है प्रशासन -विधायक मैडा

माही की गूंज, पेटलावद

बढ़ती महंगाई और भ्रष्टाचार के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पेटलावद ने सोमवार को विशाल धरना प्रदर्शन किया, जिसमें जिले के वरिष्ठ नेताओं सहित कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। तहसील परिसर में आयोजित धरना प्रदर्शन में कांग्रेस विधायक वालसिंह मेडा ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ रही कीमतों को लेकर सरकार को घेरा। जिले में हुए खेल सामग्री में भ्रष्टाचार करने वाले नेताओं पर भी एफआईआर की मांग की। वहीं विधायक नें कहा कि, प्रदेश में जब कांग्रेस की कमलनाथ सरकार थी, तब किसानों के कर्ज माफके अलावा अन्य योजनाओं से जनता को लाभान्वित किया गया। लेकिन प्रदेश और देश की भाजपा सरकार गरीबों के साथ खिलवाड़ कर रही है। धरना प्रदर्शन में उपस्थित लोगों को जिला पंचायत उपाध्यक्ष चंद्रवीरसिंह ने कहा कि, कांग्रेस पर आरोप लगाने वाले भाजपा सरकार के मुखिया लोगों को भ्रमित कर वोट लेने का काम करते हैं। चार राज्यों के चुनाव के बाद से ही प्रतिदिन पेट्रोल-डीजल और खाद्य तेल सहित सरिया आदि के भाव दुगुने कर दिए गए। आमजन परेशान है, भ्रष्टाचार का बोलबाला है जिसे देखने वाला कोई नहीं है। चंद्रवीरसिंह ने कांग्रेस की पूर्व सरकारों और भाजपा सरकार की सिलसिलेवार तुलना कर भाजपा की सरकार को जनविरोधी सरकार बताया। जिला उपाध्यक्ष ठा. हनुमान सिंह डाबड़ी ने संबोधित करते हुए कहा कि, कांग्रेस की सरकार जनता के साथ रही है और महंगाई पर भी नियंत्रण था, लेकिन भाजपा की सरकार गरीबों को लूटने में लगी है जीवन ठाकुर ने भाजपा सरकार को दोगली बताते हुए महंगाई ओर भ्रष्टाचार को लेकर घेरा। विधायक प्रतिनिधि मन्नालाल हामड, योगेंद्रसिंह सारंगी, शैलेन्द्र सिंह गंगाखेड़ी, सरपंच सुखराम मेडा ने भी संबोधित किया। संचालन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश मुथा ने किया।

रैली निकाल कर दिया ज्ञापन

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धरने के बाद एक रेली भी निकाली, जिसमें भाजपा और बढ़ती महंगाई के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। कांग्रेस कार्यकर्ता अपने हाथों में महंगाई कम करने और भ्रष्टाचार खत्म करने की तख्तियां हाथों में लेकर चल रहे थे। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पेटलावद के नेतृत्व में महामहिम राज्यपाल के नाम एसडीएम शिशिर गेमावत को ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि, गत 10 दिनों में पेट्रोल व डीजल के भाव अधिक बड़े हैं। खाद्यान्न से लेकर अन्य समस्त दैनिक उपयोग की सामग्री के भाव में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है, इस कारण लोग काफी परेशान है। गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ने से आमजन परेशान है। इसी तरह खाद्य तेल के भाव 200 रूपए प्रति किलो होने तथा लोहा, सरिया, सीमेंट के जो भाव

है उसमें गरीब वर्ग के लोग का दो कमरे का निर्माण भी नहीं हो सकता। इसके अलावा कोरोना काल में उपभोक्ताओं को बिजली की राशि नहीं दी गई थी परंतु अब उक्त राशि के बील आने से हजारों रुपयों का भार उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। कोरोना काल के बिल की राशि माफकराने के निर्देश भी देने की मांग ज्ञापन के माध्यम से की गई। इसके अलावा एकलव्य बालिका छात्रावास की बालिकाओं ने महामहिम राज्यपाल के समक्ष खाने की शिकायत दर्ज करवाई थी, प्रशासन द्वारा जांच करने पर आरोप सही पाए गए थे। इसी तरह क्षेत्र के समस्त छात्रावास तथा मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम में गरीब आदिवासी छात्र-छात्राओं का हक छीन कर मनमानी की जा रही है, जिसकी जांच की मांग की। वही गत दिनों क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय में खेल सामग्री के लिए 10 हजार तथा माध्यमिक विद्यालय में 5 हजार की राशि दी गई थी, इस पर भी नेताओं, सप्लायर ने गठजोड़ करके भ्रष्टाचार किया। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में महंगाई, भ्रष्टचार, मनमानी के कारण आमजन परेशान हैं। महंगाई पर रोक तथा भ्रष्टाचार रोकने के लिए उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच की मांग ज्ञापन के माध्यम से की है। इस अवसर आयदान पटेल, सुरेश पाटीदार, दीपक, प्रदीप पाटीदार, नाना गोयल, हीरालाल काग, प्रभात श्रीवास्तव, शुभम मकवाना, गौरव जानी, गोलू हामड, पप्पू पडियार, मांगीलाल काग, जिला पंचायत सदस्य शारदाबाई डामोर, विक्रम चावड़ा, नानूराम कचनारिया ,अनिल सरपंच, कैलाश, बापू अमलियार, राजू केसरपुरा आदि बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- संजय भटेवरा । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई टाइटल कोड नंबर- एमपीएचआईएन-76422